अमृत स्थापना एवं 2550वां महावीर निर्वाण वर्ष महोत्सव-2024

अ.भा.प.जैन महासभा का 55वां स्थापना वर्ष

स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 8 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 फरवरी 2024 ✦ वर्ष 12 ✦ कुल पृष्ठ 48 ✦ मूल्य ₹5

इस युग का सौभाग्य रहा कि इस युग में गुरुवर जन्मे।
हम सबका सौभाग्य रहा कि गुरुवर के युग में हम जन्मे॥

परम पूज्य आचार्य श्री 108
श्री विद्यासागर जी म.सा.

परम पूज्य गच्छाधिपति आचार्य
श्री दौलतसागरसूरीश्वरजी म.सा.

संत हमारी आस्था, श्रद्धा और संस्कृति के जीवन्त प्रतीक हैं

सदी के दोनों महान संतों को भावपूर्ण विनयांजलि

TAILOR MADE **SOLUTIONS** FOR DIVERSE **INDUSTRY NEEDS**

MEI POWER PRIVATE LIMITED

MARSON'S
AGRA, INDIA

25 KVA to 14 MVA
Type Tested as per
BIS Level 3 & 2 / IEC & IS

संस्थापक - स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त, 1927 - 31 अगस्त, 2016)

आपका स्नेह, सेवाभाव, समाज की प्रगति की भावना, उच्च विचार एवं प्रेरणादायक जीवन सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

Transformers | EPC Contractor | Renewable Energy Solutions

MEI POWER PRIVATE LIMITED

Correspondence: 1/189 Delhi Gate, Civil Lines, **Agra - 282 002 (INDIA)**
Ph: +91 562 2520027, +91 562 2850812
Works: Mathura Road, Artoni, **Agra - 282 007 (INDIA)**
Ph: +91 90277 09944, +91 92580 78803
info@marsonselectricals.com www.marsonselectricals.com

9001 14001 MIDEL CE ENERGY IS LIFE BEE CONSERVE IT EU Directives

Transformers | EPC Contractor | Renewable Energy Solutions

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

मूल्य ₹ 5/-

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 8 ✦ 25 फरवरी 2024 ✦ वर्ष 12 Email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com *कुल पृष्ठ : 48*

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री त्रिलोक चन्द जैन ***(अध्यक्ष)***
नया बास, सकर कूंई के पीछे, अलवर (राज.)
मोबा.: 8233082920

श्री महेश जैन ***(महामंत्री)***
टी-22, अलंकार प्जाला, सेन्ट्रल स्पाइन, सेक्टर 2,
विद्याधर नगर, जयपुर-302039 (राज.)
मोबा.: 9414074476
Email : abpjmmaheshjain@gmail.com

श्री भागचन्द जैन ***(अर्थमंत्री)***
पुराने जैन मंदिर के पास, नौगावां,
जिला अलवर-301025 (राज.)
मोबा.: 9828910628
E-mail : bhagchandjain07@gmail.com

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार "बी"
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संयोजक की कलम से.....

पल्लीवाल जैन समाज जो एक वटवृक्ष के रूप में खड़ा हुआ था वह समाज के बुजुर्गों की एकजुटता एवं सही नेतृत्व के साथ-साथ सकारात्मक नजरिये के कारण ही संभव हो पाया है। यदि व्यक्ति यह सोच कर समाज का नेतृत्व करे कि वह अकेला ही समाज को दिशा प्रदान कर सकेगा तो उसकी यह सोच गलत है। उसे स्वयं से उठ कर सामूहिकता के रूप में सोचना होगा। वर्तमान में पल्लीवाल जैन समाज की स्थिति भी कुछ इसी तरह की हो गयी है, महासभा के दोनों नेतृत्व आपस में सामंजस्य नहीं बैठा पा रहे हैं और उसका परिणाम समाज के संगठन पर पड़ रहा है। दोनों ही नेतृत्वों का अपना-अपना एजेण्डा है और कार्य करने की अपनी ही प्रणाली है। दोनों ही यह चाहते हैं कि समाज उनका अनुसरण करे। लेकिन परिस्थिति अच्छे विचारों के साथ सामंजस्य बैठाती है तो दूसरा नेतृत्व इसका विरोध करता है।

यहां मैं एक कहानी के माध्यम से एक संदेश प्रदान कर रहा हूं कि :- एक राक्षस था जो गांव के बच्चों को डराता-धमकाता और परेशान करता था। एक दिन एक गडरिया अपने भाईयों से मिलने आया और उसने देखा तो वह बोला 'तुम लोग राक्षस से डरते क्यों हो'। उसके भाई बेहद डरे हुए थे, उन्होंने जवाब दिया, 'क्या तुमने देखा नहीं कि वह इतना बड़ा है कि उसे मारा नहीं जा सकता'। तब उस गडरिये ने कहा 'ऐसी बात नहीं है, बल्कि सोचो कि वह इतना बड़ा नहीं है कि उसे मार नहीं सकते और जब उसे मारोगे तो तुम चूक ही नहीं सकते' और इस बात ने उसके भाइयों को इतनी हिम्मत दी कि उन्होंने गुलेल से ही राक्षस को मार डाला। कहानी का सार है कि वर्तमान में समाज का नेतृत्व भी श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका का भी यही हाल कर रहा है। समाज वही है नेतृत्व करने वाले लोग भी वही हैं, लेकिन श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के प्रति उनकी सोच बदल गयी है, जिसे अब सम्पूर्ण समाज को देखना होगा कि कहीं महासभा की तरह ही इसका हश्र न हो जाए।

वर्तमान समय में महामंत्री की सोच एवं कार्यकारिणी के बहुमत से अमृत स्थापना वर्ष के रूप में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों को अधिकतर शाखाओं ने आयोजित कर समाज में जागरूकता पैदा की है और श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका में शाखाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों को उचित कवरेज मिल रहा है।

हमें यह देखना चाहिए कि समाज को नेतृत्व देने वाला व्यक्ति ईमानदार, मददगार, क्षमतावान एवं अनुभवी होने के साथ-साथ समय दे सकता हो, वही समाज की एकजुटता, उत्थान के साथ संघटन को मजबूती प्रदान करने का प्रयास कर सकता है। अतः हम सभी को सकारात्मक सोच के साथ समाज के आगामी बचे हुए दो वर्षों में सही नेतृत्व के साथ जुड़ना है, जिससे समाज की एकरूपता एवं समरसता बनी रही। जय जिनेन्द्र !

-चन्द्रशेखर जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये। प्राप्त लेखों में संशोधन कर प्रकाशन करने का अधिकार सम्पादक मंडल के पास सुरक्षित है।

भावभीनी श्रृद्धांजलि

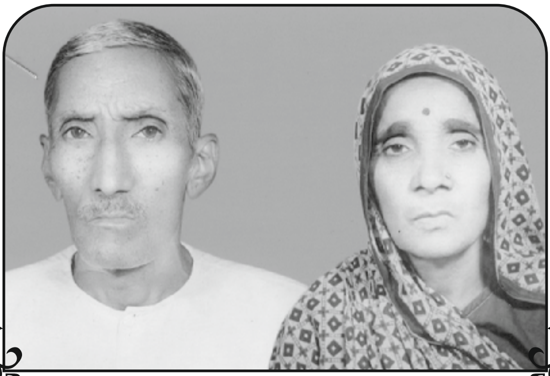

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,
पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी
पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन
पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप
पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवास :
बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

युग दृष्टा ब्रह्मांड के देवता संत शिरोमणि आचार्य प्रवर

श्री विद्यासागर जी महामुनिराज

शनिवार, दिनांक 17 फरवरी 2024 तदनुसार माघ शुक्ल अष्टमी पर्वराज के अंतर्गत उत्तम सत्य धर्म के दिन रात्रि में 2:35 बजे हुए ब्रह्म में लीन

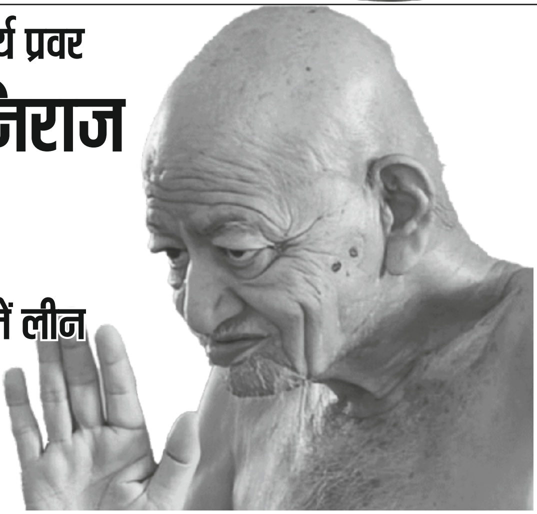

हम सबके प्राण दाता राष्ट्रहित चिंतक परम पूज्य गुरुदेव ने विधिवत सल्लेखना बुद्धिपूर्वक धारण कर ली थी। पूर्ण जागृतावस्था में उन्होंने आचार्य पद का त्याग करते हुए 3 दिन के उपवास गृहण करते हुए आहार एवं संघ का प्रत्याख्यान कर दिया था एवं प्रत्याख्यान व प्रायश्चित देना बंद कर दिया था और अखंड मौन धारण कर लिया था। 6 फरवरी मंगलवार को दोपहर शौच से लौटने के उपरांत साथ के मुनिराजों को अलग भेजकर निर्यापक श्रमण मुनिश्री योग सागर जी से चर्चा करते हुए संघ संबंधी कार्यों से निवृत्ति ले ली और उसी दिन आचार्य पद का त्याग कर दिया था। उन्होंने आचार्य पद के योग्य प्रथम मुनि शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री समयसागर जी महाराज को योग्य समझा और तभी उन्हें आचार्य पद दिया जावे, ऐसी घोषणा कर दी थी।

गुरुवरश्री जी का डोला चंद्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ में दोपहर 1 बजे निकाला गया, एवं चन्द्रगिरि तीर्थ पर ही पंचतत्व में विलीन हो गए। सल्लेखना के अंतिम समय श्रावकश्रेष्ठी अशोक जी पाटनी आर.के. मार्बल, किशनगढ़, राजा भाई सूरत, प्रभात जी मुम्बई, अतुल शाह पुणे, विनोद बडजात्या रायपुर, किशोर जी डोंगरगढ भी उपस्थित रहे।

आपका जन्म 10 अक्टूबर 1946 को विद्याधर के रूप में कर्नाटक के बेलगाँव जिले के सदलगा में शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। आपके पिता श्री मल्लप्पा थे जो बाद में मुनि मल्लिसागर बने। आपकी माता श्रीमंती थी जो बाद में आर्यिका समयमति बनी।

विद्यासागर जी को 30 जून 1968 में अजमेर में 22 वर्ष की आयु में आचार्य ज्ञानसागर ने दीक्षा दी जो आचार्य शांतिसागर के शिष्य थे। आचार्य विद्यासागर जी को 22 नवम्बर 1972 में ज्ञानसागर जी द्वारा आचार्य पद दिया गया था, केवल विद्यासागर जी के बड़े भाई गृहस्थ है। उनके अलावा सभी घर के लोग संन्यास ले चुके हैं। उनके भाई अनंतनाथ और शांतिनाथ ने आचार्य विद्यासागर जी से दीक्षा ग्रहण की और मुनि योगसागर जी और मुनि समयसागर जी कहलाये।

आचार्य विद्यासागर जी संस्कृत, प्राकृत सहित विभिन्न आधुनिक भाषाओं हिन्दी, मराठी और कन्नड़ में विशेषज्ञ स्तर का ज्ञान रखते हैं। उन्होंने हिन्दी और संस्कृत के विशाल मात्रा में रचनाएँ की हैं। सौ से अधिक शोधार्थियों ने उनके कार्य का मास्टर्स और डॉक्ट्रेट के लिए अध्ययन किया है। उनके कार्य में निरंजना शतक, भावना शतक, परीषह जाया शतक, सुनीति शतक और शरमाना शतक शामिल हैं। उन्होंने काव्य मूक माटी की भी रचना की है। विभिन्न संस्थानों में यह स्नातकोत्तर के हिन्दी पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाता है। आचार्य विद्यासागर जी कई धार्मिक कार्यों में प्रेरणास्त्रोत रहे हैं।

आचार्य विद्यासागर जी के शिष्य मुनि क्षमासागर जी ने उन पर आत्मान्वेषी नामक जीवनी लिखी है। इस पुस्तक का अंग्रेज़ी अनुवाद भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रकाशित हो चुका है। मुनि प्रणम्यसागर जी ने उनके जीवन पर अनासक्त महायोगी नामक काव्य की रचना की है।

थोड़ा सा जानिए आचार्य श्री को

कोई बैंक खाता नहीं कोई ट्रस्ट नहीं, कोई जेब नहीं, कोई मोह माया नहीं, अरबों रुपये जिनके ऊपर निछावर होते हैं उन गुरुदेव ने कभी धन को स्पर्श नहीं किया। गुरुवर ने 500 से अधिक दीक्षा दीं।

सूचना

दिनांक 10-11 मार्च 2024 को श्री सोनागिर जी सिद्ध क्षेत्र दतिया (म.प्र.) पर आयोजित होने वाला परिचय सम्मेलन एवं सामुहिक विवाह समारोह अपरिहार्य कारणों से आगामी सूचना तक स्थगित है, कृपया सूचित रहें।

दुनिया के जीते-जागते आश्चर्य गच्छाधिपति आचार्य भगवंत परम पूज्य श्री दौलतसागरसूरीश्वरजी म.सा.

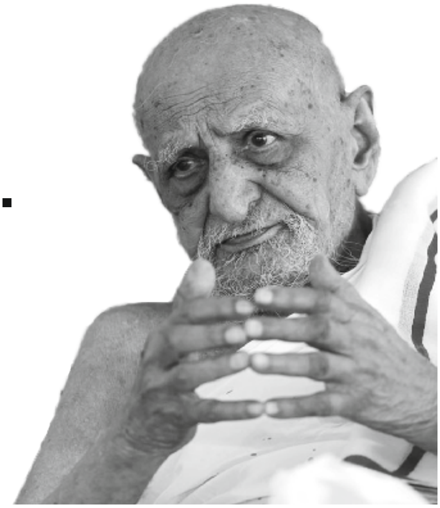

ये एकमात्र ऐसे महापुरुष होंगे जिनकी दीक्षा मध्यरात्रि को 1:30 बजे हुई थी। यही महापुरुष होंगे जो जन्म से पटेल होने के कारण 14वें वर्ष में पहली बार नवकार सुना, 18वें वर्ष में पहली बार गुरु भगवंत के दर्शन किए और 19वें वर्ष में दीक्षा लेने के लिए वैराग्यवासित बने। यही एकमात्र महापुरुष (वर्तमान में) हैं जिन्हें रजोहरण आगमोद्धारक श्री आनंद सागरजी महाराज ने प्रदान किया था। दीक्षा के बाद प्रथम बार राई प्रतिक्रमण किया था। ये अकेले ऐसे महापुरुष होंगे जिन्होंने आधी रात में भागकर दीक्षा ली और आधी रात में अकेले ही 67 किलोमीटर का पहला विहार तुरंत किया। दीक्षा से लेकर बड़ी दीक्षा तक कई दिनों तक उपाश्रय में छिपा कर रखा गया था क्योंकि पटेल समुदाय का दीक्षा का घोर विरोध था।

दीक्षित होने पर केवल नवकार मंत्र और करेमिभंते इन दो सूत्रों को जानते थे और दीक्षा के बाद सामान्य ज्ञान और क्रिया के बारे में सब कुछ सीख लिया। 12 दिन में पंचप्रतिक्रमण, 6 दिन में 6 कर्मग्रंथ, 1 दिन में दशवैकालिक सूत्र, 6 दिन में उत्तराध्यान सूत्र, 8 दिन में आचारंग सूत्र, 36 घंटे में नवस्मरण, एक दिन में वीतरागस्तोत्र जैसे सूत्र 45 आगमों को कंठस्थ कर लिए थे ।

यही एकमात्र महापुरुष हैं कि जिन्होंने छठ्ठ के पारणे छठ्ठ पाँच विगई का त्याग कर वर्षीतप किया। दीक्षा से 37 वर्षों तक प्रतिदिन खड़े-खडे 1008 लोगस्स का काउसग्ग किया और 1008 खमासमणे दिये। पूज्य श्री सागर समुदाय के 900 साधु- साध्वी भगवंत से अधिक के गण नायक हैं।

चि. चन्द्रप्रकाश जैन

सुपुत्र स्व.श्री ओम प्रकाश जी जैन, हरसाना वाले (हाल निवासी रंगभरिया की गली) अलवर की देव-गुरु-धर्म की कृपा से भागवती जैन दीक्षा चैत्र सुदी 10, गुरुवार दि. 18.04.2024 को श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पूज्य गुरुदेव श्री विनयमुनिजी म.सा. 'वागीश' आदि ठाणा 4 के सानिध्य में आबूपर्वत पर आयोजित है। अ.भा.प. जैन महासभा आपके उत्कृष्ट संयम जीवन की कामना करती है और आपके वीर परिवार की अनुमोदना करती है।

बधाई

श्री राजेन्द्र कुमार जैन, अध्यापक राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय हरसाना ने सत्र 2023-24 में भामाशाह को प्रेरित करके विद्यालयों का विकास कार्य करवाने पर एस.डी.एम. लक्ष्मणगढ़ द्वारा 26 जनवरी 2024 सम्मानित करने पर अ.भा.प. जैन महासभा की ओर से बहुत-बहुत बधाई।

साक्षात्कार

वर्तमान में समाधान की आवश्यकता

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के 54 वर्ष पूर्ण कर 55वें वर्ष में प्रवेश करने पर सम्पूर्ण समाज की समस्त शाखाएं, महिला मंडल एवं युवा मंडलों द्वारा अमृत महोत्सव वर्ष मनाया जा रहा है, इसी स्वर्णिम अवसर पर महासभा के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य श्रीमान अमीरचंद जी जैन (सेनि. आर.ए.एस.) गहनौली वाले, गंगापुर सिटी के 95वें जन्म दिवस पर सभी समाज बंधुओं के समक्ष उनके जीवन दर्शन और सकारात्मक विचार प्रस्तुत हैं।

-पारस जैन गहनौली, *सह-संपादक*

अमीरचंद जी जैन साहब आप अपने जीवन के बारे में कुछ बताएं।

मेरा जन्म 6.3.1930 को ग्राम गहनौली, तहसील महवा, जिला सवाईमाधोपुर (हाल जिला दौसा) में एक मध्यम परिवार में पिताजी स्व. श्री दुर्गाप्रसाद जी एवं माताजी स्व. श्रीमती चमेली देवी जैन के यहां हुआ था। मेरे पिताजी गांव में ही व्यवसाय करते थे। मैं छः भाई बहनों में तीसरे नंबर का था। हमारे परिवार में माता-पिता मध्यम वर्ग के होते हुए भी सभी भाई-बहनों को उस समय अनुसार अच्छी शिक्षा के साथ-साथ अच्छा पालन किया। मेरे बड़े भाई अध्यापक एवं छोटे भाई फूड इंस्पेक्टर के पद पर थे।

मैं भी पदोन्नत होकर तहसीलदार से आर.ए.एस. में चयनित होकर गंगानगर में कार्यरत रहा, उसके बाद तबादला होकर सहायक कलेक्टर बयाना एवं वैर से सेवानिवृत्त हुआ। मेरा विवाह दिनांक 28.02.1951 को श्रीमती पुष्पलता जैन सुपुत्री स्व. सेठ श्री छाजूराम जी जैन मंडावर जिला दौसा से हुआ। मेरे तीन पुत्र और तीन पुत्रियां हैं।

ज्येष्ठ पुत्र सतीश चन्द जैन (सेनि. उपनिदेशक आयुर्वेदिक), गिरीश जैन (अधिशासी अभियंता पी.एच.ई.डी.), पवन जैन (प्रधानाचार्य), तीन पुत्रियां श्रीमती मंजू जैन पत्नी श्री विमल चंद जैन, खोह वाले (अधिशासी अभियंता), श्रीमती मीना जैन पत्नी श्री विजेंद्र जैन (मुख्य अकाउंट्स ऑफिसर), श्रीमती नीलम जैन पत्नी श्री गोपाल लाल जैन (बैंक मैनेजर)।

आप तो राजकीय सेवा में कार्यरत थे, प्रशासनिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए आपने समाज सेवा के लिए कैसे समय निकाला?

मैं अपनी नौकरी के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी समय निकालकर समय-समय पर सेवाएं प्रदान करता रहा। मैं निम्न संस्थाओं से जुड़कर सामाजिक कार्य करता रहा। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ गंगापुर सिटी का संरक्षक, श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर पत्तल दौना वाली गली के संरक्षक, पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति में भी संरक्षक सदस्य हूं। सेवानिवृत्ति के बाद समय-समय पर समाज के श्रेष्ठीजन स्व. श्री रामस्वरूप नेता जी कैमरी वाले, स्व. सेठ गुलाब चन्द पल्लीवाल, स्व. सेठ हरीशचन्द पल्लीवाल (विधायक गंगापुर सिटी), सेठ तेजपाल जी कम्पाउण्डर करौली वाले, सेठ हरीशचन्द जी ए.ई.एन. करौली वाले, श्री रामदयाल जी तहसीलदार, श्री नत्थीलाल जी बीड़ी वाले, महासभा के पूर्व महामंत्री स्व. श्री कमलेश जैन भरतपुर एवं मेरे बड़े भाईसाहब स्व. श्री शिवलाल जैन तहसीलदार गंगापुर के साथ भी काम करने का मौका मिला।

गंगापुर सिटी में दो बार समाज के द्वारा आंखों के कैंप लगवाएं, उससे समाज के लोगों को काफी फायदा हुआ, जिसमें मेरी काफी सक्रियता रही।

आपकी सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में किस तरह रुचि बढ़ी और आपने किस तरह समाज का सहयोग किया।

तन से सेवा कीजिये, मन से भले विचार।
यदि पैसा पास में हो तो, कीजे पर उपकार॥

वैसे तो मुझे परिवार से ही संस्कार मिले, फिर भी जब मैं श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के सन्त-साध्वियों के प्रवचन उनकी आहार चर्या एवं श्वेताम्बर तथा दिगम्बर मुनियों के प्रवचनों का मेरे जीवन पर गहरा असर पड़ा। नौकरी में रहते हुए

भी मैं सभी का सहयोग करने की चेष्टा करता था। रिटायरमेंट के बाद सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में मेरी सक्रिय भूमिका रही। कुछ धार्मिक सामाजिक संस्थाओं में मैंने सन्तों की प्रेरणा से आर्थिक सहयोग भी किया, जैसे- जिनवाणी, सिरस तीर्थ में पक्षी घर का निर्माण तथा सिरस मंदिर में निर्माण में, स्थानक की गजेन्द्र निधि में, अचार्य हस्ती मेधावी छात्रवृत्ति योजना, भगवान महावीर विकलांग समिति, श्री श्वेताम्बर तीर्थ बरखेड़ा में तथा पल्लीवाल जैन महासभा भवन, जयपुर एवं पल्लीवाल जैन महासभा भवन, अलवर में एक-एक कमरे का निर्माण तथा महावीर जी धर्मशाला में परिवार की तरफ से एक कमरे का निर्माण करवाया। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा को प्रत्येक वर्ष विधवा सहायता देने के भाव रहते हैं और श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका को भी आर्थिक सहयोग देने की अनुशंसा की।

आप महासभा के किन-किन पदों पर एवं कब रहे।

मैं महासभा में दो बार सवाईमाधोपुर - महवा - दौसा गंगापुर सिटी से कार्यकारिणी सदस्य रहा हूं। एक कार्यकाल तो श्री शेखरचन्द्र जैन के अध्यक्षीय कार्यकाल में कार्यकारिणी सदस्य था तथा एक बार और श्री अमरचन्द जैन के कार्यकाल में भी कार्यकारिणी सदस्य रहा।

वर्तमान समय में महासभा के लिए आपके क्या विचार हैं?

मैंने सुना है कि समाज में गुटबाजी चरम पर है, पदाधिकारियों में भी गुटबाजी चल रही है। जो किसी भी संगठन के लिए अच्छी नहीं है। ये समाज की अवन्ति का बहुत बड़ा कारण होता है। महासभा पदाधिकारियों को एक सलाह देना चाहता हूँ कि पूर्व पदाधिकारियों एवं समाज के बुजुर्ग समाजसेवियों को साथ लेकर इसका समाधान निकालना चाहिए।

वर्तमान में आपके पत्रिका के बारे में क्या विचार हैं?

मैं पत्रिका का नियमित पाठक हूँ, लेकिन पत्रिका की न पहुंचने की समस्या रहती है। इसमें सुधार की आवश्यकता है। साथ ही मैं कहना चाहता हूँ कि पत्रिका समाज की रीढ़ है, इससे ही समाज के समाचार प्राप्त होते रहते हैं। कोरोना काल में भी पत्रिका का प्रकाशन निरन्तर होता रहा एवं पाठकगण को प्राप्त होती रही, इसके लिए सम्पादक मण्डल धन्यवाद का पात्र है।

आपके व्यक्तित्व के इस अनूठे अध्याय से समाज निश्चित ही प्रेरणा पाकर कर्म क्षेत्र में आगे बढ़ेगा ऐसा मेरा मानना है।

पारस! निश्चित रूप से नयी पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी और बुजुर्गों से प्रेरणा लेनी भी चाहिए। इस पूरी बातचीत में मेरी भावना से किसी को भी ठेस पहुंचे तो मैं क्षमा प्रार्थी हूँ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा महामंत्री पल्लीवाल जैन महासभा,

मैं बहुत दिनों से सोच रहा था कि आपसे कुछ चर्चा करू, जो नागपुर विभाग की दस-बारह साल से शाखा चालू हुई है, अपनी महासभा देखकर मुझे प्रसन्नता हुई है, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर की जो सभाएं है, वो अपनी पल्लीवाल सभा चार-पांच सभाओं में से एक बड़ी सभा है। उस हिसाब से महासभा में जो गतीविधियां है, वह वैसे देखें तो समाधानकारक दिखती नहीं। रविन्द्र जैन ने अपनी गीतो में कहा हैं, 'अपन नहीं दिगंबर श्वेतांबर, तेरा पनती स्थानकवासी । हम सब जैन हैं'। उस हिसाब से अपनी महासभा परिपूर्ण बैठती है। लेकिन इस साल के राष्ट्रीय कार्यकारणी चुनाव में हम आए थे, उस में क्रोध, कषाय बहोत तेज लग रहे थे, जोकि वे जैन समाज को लज्जास्पद दिखाते हैं।

अपनी सामाजिक संघटना है। उस हिसाब से अपन राजकीय संगठन जैसे क्रोध कषाय से तो समाज को क्षति पहुंचेगी और समाज कमजोर होगा। इसलिए समाज में शांतता रहनी चाहिए - कषाय, क्रोध नहीं होना चाहिए। सामाजिक संघटना समाज के उद्धार के लिए रहती है, और क्रोध कषाय रहेगा तो समाज की प्रगति नहीं हो सकती है।

इसलिए मेरा कहना है कि, चुनाव प्रक्रिया में आमुलाग्र बदल होना चाहिए जो की समाज की पैसों का गैर इस्तेमाल नहीं होगा और महासभा सुचारु रूप से चालू रहेगी। इसलिए अपने संविधान के हिसाब से एक वरिष्ठ लोगों की कमेटी नियुक्त की जाए और चुनाव प्रक्रिया में बदल किया जाए।

हमारे महाराष्ट्र में सामाजिक संगठनों में चुनाव पूरे सदस्य से नहीं होता है और शाखा की सदस्य के संख्या अनुसार प्रतिनिधि राष्ट्रीय स्तर पर भेजना पड़ता है, वह प्रतिनिधि अध्यक्ष महामंत्री तथा कमेटी नियुक्त करते हैं। ऐसा किया तो समाज का खर्चा बच सकता है।

यह मेरा सुझाव है, आग्रह नहीं है। इन सब बातो में मेरा कोई स्वार्थ नहीं है, मैं जैन समाज के राष्ट्रीय तथा प्रदेश स्तरीय कमेटी में काफी सालों से कार्यरहित हुं इसलिए मैं आपको सुझाव दे रहा हुं बाकी आपको उचित लगे वह करना।

इस विषय पर गंभीरता से सोचिए, आपको परामर्श देने का हक्क नहीं है लेकिन, महासभा का जो आज के दिन में वातावरण लग रहा है इसलिए मैं आपको विनती कर रहा हुं ।

महासभा सुचारु रुप से चले यही मेरी महासभा के साथ शुभकामनाएं हैं।

आपका शुभचिंतक
अभयकुमार एन पनवेलकर जैन
15 'सन्मति', न्यू उर्विला कॉलोनी,
दत्ता मेघे पॉलीटेक्निक के पास,
कोतवाल नगर, नागपुर-440015

श्री पवन जी जैन (चौधरी) ने खेड़ली कस्बे में मेन कठूमर रोड पर करीब 1800 गज जमीन पालिका को तहसील भवन के

लिये और क़रीब 9000 गज बेशकीमती जमीन उप जिला अस्पताल के लिए प्रशासन को दान की है। उपखंड प्रशासन कठूमर की ओर से विधायक श्री रमेश जी खिंची एवं उपखंड अधिकारी द्वारा 26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर श्री पवन जैन को **'भामाशाह' प्रशस्ति पत्र** देकर सम्मानित किया गया। अ.भा.प. जैन महासभा की ओर से पवन जी और उनके परिवार को साधुवाद और अनुमोदना।

श्री प्रदीप जैन (तिजारा वाले) सहायक प्रशासनिक अधिकारी को उनके द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्यों हेतु गणतन्त्र दिवस समारोह-2024 में सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा सम्मान स्वरूप प्रशस्ति-पत्र प्रदान करने पर अ.भा.प. जैन महासभा की ओर से बहुत-बहुत बधाई।

श्री भगवानसहाय जी जैन (एडवोकेट) को अपने विधिक सेवा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए 26 जनवरी, 2024 को

75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर तहसील स्तर पर सम्मानित किए जाने पर अ.भा.प. जैन महासभा की ओर से बहुत-बहुत बधाई।

श्री गौरव जैन, कनिष्ठ अभियंता (हिण्डौन सिटी में 400 केवी जीएसएस पर कार्यरत) को उनके उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य के लिए गणतंत्र दिवस-2024 पर करौली जिला कलेक्टर श्री नीलाभ सक्सेना द्वारा सम्मानित करने पर अ.भा.प. जैन महासभा की ओर से बहुत-बहुत बधाई।

श्री अंश जैन सुपुत्र श्री संजय एवं श्रीमती सपना जैन, निवासी ऐस पार्कवे, सेक्टर 150, नोएडा (उ.प्र.), जो कि IIM में अध्ययनरत हैं, उनका चयन International Exchanage Programme के अन्तर्गत Bradford University (U.K.) में हो गया है। अ.भा.प. जैन महासभा श्री अंश जैन के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

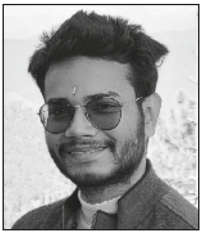

डॉ. ऊषा जैन (प्रवक्ता श्री जैन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय अलवर) धर्मपत्नी श्री संजय कुमार जैन, पंचवटी अलवर ने दि. 6.2.2024 को युवरानी एथलेटिक्स समिति की ओर से आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 3 किमी. वॉक प्रतियोगिता एवं 400 मी. दौड़ प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल एवं 100 मी. दौड़ प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' ब्रांड एंबेसडर, लिम्का रिकॉर्ड धारक डब्ल्यूएफएम **तनिष्का कोटिया** की कुशल कप्तानी के तहत, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय इंटर जोनल इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज (महिला) चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता। चैंपियनशिप 23 जनवरी से 25 जनवरी 2024 तक राजकोट में आयोजित की गई थी। अ.भा.प. जैन महासभा तनिष्का के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

महासभा सदस्यता

1. **Sh. Aakash Jain** S/o Sh. Tarachand Jain, Papawali Gali, Gopalpura, Morena-476001 (M.P.) (CR No. 8174)
2. **Smt. Babita Jain** W/o Sh. Tarachand Jain, Papawali Gali, Gopalpura, Morena-476001 (M.P.) (CR No. 8175)
3. **Smt. Manju Jain** W/o Sh. Shyam Sundar Jain, Balkhandi Road, Gopalpura, Morena-476001 (M.P.) (CR No. 8176)
4. **Smt. Dolly Jain** W/o Sh. Vinod Kumar Jain, Balkhandi Road, Gopalpura, Morena-476001 (M.P.) (CR No. 8177)
5. **Sh. Vinod Kumar Jain** S/o Sh. Shankar Lal Jain, Balkhandi Road, Gopalpura, Morena-476001 (M.P.) (CR No. 8178)
6. **Sh. Rinku Jain** S/o Sh. Shyam Sundar Jain, Balkhandi Road, Gopalpura, Morena-476001 (M.P.) (CR No. 8179)
7. **Smt. Bindu Bala Jain** W/o Sh. Suresh Chand Jain, D-431, Ramfal Chowk, Palam Ext. Sec. 7, Dwarka, Delhi-110077 (CR No. 8180)
8. **Sh. Suresh Chand Jain** S/o Late Sh. Padam Chnad Jain, D-431, Ramfal Chowk, Palam Ext. Sec. 7, Dwarka, Delhi-110077 (CR No. 8181)
9. **Smt. Preeti Jain** W/o Sh. Jayant Jain, 16 A, Phase-2, Chetan Enclave, Jaipur Road, Alwar-301001 (CR No. 8182)
10. **Sh. Jayant Jain** S/o Sh. Ashok Jain, 16 A, Phase-2, Chetan Enclave, Jaipur Road, Alwar-301001 (CR No. 8183)
11. **Smt. Minu Jain** W/o Sh. Prashant Jain, 3/492, Kala kuaa Housing Board, Alawar-301001 (CR No. 8184)
12. **Sh. Prashant Jain** S/o Sh. Ashok Jain, 3/492, Kala kuaa Housing Board, Alawar-301001 (CR No. 8185)
13. **Sh. Sachin Kumar Jain** S/o Sh. Bhagchand Jain, 2/205, N.E.B Vistar, Housing Board, Transposrt Nagar, Alwar-301001 (CR No. 8186)
14. **Smt. Sanju Jain** W/o Sh. Sachin Kumar Jain, 2/205, N.E.B Vistar, Housing Board, Transposrt Nagar, Alwar-301001 (CR No. 8187)

पत्रिका सदस्यता

3276. **Sh. Pawan Kumar Ji Jain** S/o Sh. Amar Chand Jain, Near Shwetamber Jain Mandir, Raj Karan School Wali Gali, Hindaon Road, Mahwa, Distt. Dausa-321608 *(CR D-3114)*

विधवा सहायता

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन एवं श्री पंकज जी जैन,** दिल्ली जैन पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, 12-रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-77 ने विधवा सहायता हेतु रु. 11,000/- भेंट किये। *(र.सं. 8224)*

★ **श्रीमती संगीता जी जैन** धर्मपत्नी स्व. श्री पवन जी जैन, काला कुआ हाउसिंग बोर्ड, अलवर ने विधवा सहायता हेतु रु. 6100/- भेंट किये। *(र.सं. 8225)*

★ **श्री विनोद कुमार जी जैन,** उत्तम नगर, दिल्ली ने विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- भेंट किये। *(र.सं. 8226)*

पत्रिका सहायता

★ **श्री सतीश चन्द जी जैन एवं श्रीमती तारा देवी जी जैन** (रसीदपुर वाले) महवा ने अपने पुत्र चि. दीपक जैन संग सौ.कां. निधि जैन सुपुत्री श्री अरविन्द जैन एवं श्रीमती सन्तोष जैन गहनौली के दिनांक 06.02.2024 को सम्पन्न विवाहोपलक्ष पर पत्रिका सहयोग हेतु रु. 500/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-3115)*

★ **श्री सुरेन्द्र कुमार जी जैन जितेन्द्र कुमार जी जैन** (सैंथली वाले), 255 स्कीम नं. 1, अलवर ने अपने पूज्य पिताजी स्व. श्री रघुवर दयाल जी जैन की पुण्य स्मृति में पत्रिका सहयोग हेतु रु. 500/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-3116)*

★ **श्री रवि-शोभा जैन**, निवासी खारघर, नवी मुंबई ने अपने प्रिय भतीजे चि. अंश जैन का चयन International Exchanage Programme के अन्तर्गत Bradford University (U.K.) में होने पर पत्रिका सहयोग हेतु रु. 501/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-3129)*

★ **डॉ. प्रियांक जैन और इंजी. अंकुर जैन** सुपुत्र डॉ. विजय जैन निवासी वोस्टन, यू.एस.ए. ने अपने कजन भाई चि. अंश जैन का चयन International Exchanage Programme के अन्तर्गत Bradford University (U.K.) में होने पर पत्रिका सहयोग हेतु रु. 501/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-3130)*

★ **श्री सुमत प्रकाश एवं श्रीमती सुधा जैन**, इंदौर ने अपने प्रिय भतीजे चि. अंश जैन का चयन International Exchanage Programme के अन्तर्गत Bradford University (U.K.) में होने पर पत्रिका सहयोग हेतु रु. 501/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-3131)*

15वीं पुण्यतिथि पर
भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती मैनावती जी जैन

(सुपुत्री स्व. श्री नेमीचंद जैन (वैद्य) एवं स्व. श्रीमती गोविन्दी देवी जैन)

स्वर्गवास : 25 फरवरी 2009

आपके कार्य-परायणता, सच्चाई, परिश्रम एवं धर्म का वास के द्वारा जो आपने उच्च आदर्श स्थापित किए हैं, हम उनको आजीवन निभाने के प्रयासरत रहेंगे। हम आपके आदर्शवादी जीवन को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधू :
डॉ. राकेश जैन-डॉ. सुनिता जैन
राजेश जैन-नीलम जैन
राजीव जैन-रंजना जैन *(यू.एस.ए.)*
ई. रंजन जैन-सीमा जैन
(एक्स.ई.एन.)

पुत्री-दामाद :
रेनू जैन-अशोक जैन
(सीनियर मैनेजर बैंक ऑफ इंडिया)

पौत्र, पौत्री :
डॉ. निहारिका-डॉ. सजल
जतिन, मेघा, ईशान,
प्रेक्षा, ई. दिव्यांश, गीतांजलि

नाती : ई. पलाश जैन

पति :
मदन लाल जैन
(से.नि. प्रधानाचार्य)

ससुर-सास :
स्व. सेठ श्री नेमीचंद-स्व. हरप्यारी जैन
(नगला संजा मथुरा)

नन्द-नन्दोई :
स्व. अनार देवी-स्व. विशम्भर लाल जैन
स्व. अंगुर देवी-डॉ. नेमीचन्द जैन
सोन देवी-स्व. राजेन्द्र प्रसाद जैन

जेठ-जेठानी :
स्व. भजनलाल-स्व. प्रेमलता

देवर-देवरानी :
मुंशीलाल-स्व. मथुरी
स्व. डॉ. बाबूलाल-पुष्पा जैन *(यू.एस.ए.)*
मोतीलाल-ललिता जैन
स्व. मुकन्दीलाल-मनोरमा जैन
प्रो. जवाहर लाल-विद्या जैन *(यू.एस.ए.)*

लाडनूं, जिला नागौर, राजस्थान
फोन : 9461373080, 9079216400, 9664167069

(CR D-3119)

॥ भावभीनी श्रद्धांजलि ॥

स्व. श्रीमती सावित्री जी जैन

धर्मपत्नी स्व.श्री ज्ञानचंद जी जैन (अलीपुर वाले)

(स्वर्गवास : 16.02.2024)

हम सभी परिजन आपके उच्च विचारों तथा आदर्शों को अपने जीवन में उतारने के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे।

॥ श्रद्धावनत ॥

शैल, गुणमाला (भाभी), कैलाश चंद जैन-लक्ष्मी (भाई-भाभी)
शिव कुमार-निशा, आनन्द जैन-विभा (भतीजे-बहू)
मधु-पवन जैन (चौधरी) (पुत्री-दामाद)

निवास :
2/417 काला कुआ हाउसिंग बोर्ड, अरावली विहार, अलवर
मो.: 9414232076, 8114427276

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन
(सुपुत्र स्व. श्री हरीशचन्द्र जी जैन)
(पुण्यतिथि : 21.5.2017)

स्व. ई. श्री मोहित कुमार जी जैन
(सुपुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन)
(पुण्यतिथि : 9.8.2018)

हम आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए
भगवान वीर से आपकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती मिथलेश जैन
(धर्मपत्नी)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(पुत्री-दामाद)

श्रीमती मिथलेश जैन
(माँ)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(बहन-बहनोई)

मोहित कुमार जैन ट्रस्ट (पंजि.)

ए/165, पालम एक्सटेंशन, सेक्टर 7, द्वारका, नई दिल्ली-110077
दूरभाष : 9599660709, 9599230509

D.D. JAIN & CO.
ddjain_000@yahoo.co.in

BROKER & COMMISSION AGENTS :
EMPTY TIN 2, 5, 10 AND 15 LTR IN ALL QUALITY
HDPE JARS, CORROGRATED BOXES • LABLE • MULTI LAYER FILM
CONSULTNAT : OIL INDUSTRIES & PACKING MATERIAL PLANT
BRAND REGISTRATION • PATENT • TRADEMARK • COPYRIGHT
ISO • FSSAI REG. • MSME/SSI REGISTRATION • BARCODE

MANUFACTURERS & SUPPLIER OF :
PREMIX (VITAMIN A&D2) FOR OIL FORTIFICATION
EMPTY PET BOTTLES / JAR, PREFORMS
SEMI & FULLY AUTOMATIC BOTTLE/JAR/TIN FILLING MACHINES
POUCH MACHINE • STRAPPING MACHINE • SHRINK TUNNEL
ALUMINIUM FOIL & INDUCTION WED SEALING MACHINE
PRINTING MACHINE • BATCH CODER • MICRO FILTER
TICKLI AND SPOUT SEALING MACHINE ETC.

PALLIWAL UDYOG
udyogpalliwal16@gmail.com

YOUR'S SERVICE
yourservice99@yahoo.co.in

MANUFACTURERS & SUPPLIER OF :
PLAIN AND PRINTED BOTTLE CAP (AGMARK APPROVED PRINTER)
PVC SHRINK IN ALL SIZES • TICKLI AND SPOUT FOR TIN
STRAPPING ROLL • BOPP TAPE
ALUMINIUM / BLUSTER FOIL AND INDUCTION WED
ALL TYPE OF CAPS

OLD MACHINERY AND PLANT
ELECTRONIC ITEMS
LABOUR CONTRACTOR
CATERER & EVENT ORGANIZER
SERVICE PROVIDER
TRANSPORTER & OTHER SIMILAR SERVICES

MAHESH JAIN & CO.
companymaheshjain@gmail.com

T-22, ALANKAR PLAZA, CENTRAL SPINE
VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR-302023
PHONE : 0141-2232762, 2232766

KAPIL JAIN
+91-9887093314

MAHESH JAIN
+91-9414074476
jaindd2013@gmail.com

Awarded
Edible Oil
Motivator

समुद्र मंथन

समुद्र मंथन की कथा एक पौराणिक कथा है, इस कथा का उल्लेख पुराणों उपनिषदों में अनेक प्रकार से दिया गया है। मैं सोचता हूं कि यह कथा अधिकांश लोगों ने सुनी-पढ़ी होगी। फिर भी एक बार और इस कथा को पढ़ने का मेरा आग्रह है।

दानव राजा बलि के नेतृत्व में दानवों ने देवलोक पर भयंकर आक्रमण कर देवताओं को बल हीन कर इन्द्र के आसन पर कब्जा कर लिया। दानवों से पराजित इन्द्र सहित सभी देवतागण विष्णु की शरण में गये और अपनी विपदा को विस्तारपूर्वक विष्णु को सुनाया। विष्णु ने उन्हें तिरस्कृत कर कहा, 'जो जाति आमोद-प्रमोद में जीवन यापन करती है और संघर्ष व मेहनत को भुला देती है उसका यही हश्र होता है।' परन्तु विष्णु के हृदय में देवताओं के प्रति ममत्य का भाव था, बुरा-भला कहने के बाद भी उन्होंने उनका भला करने का आश्वासन देते हुए देव गुरु बृहस्पति को अपने पास बुलाया। देव ऋषि हिमालय की कन्दराओं में एकान्त भाव से किसी अनुष्ठान के आयोजन पर विचार मग्न थे। विष्णु जी के अनायास बुलाने पर वे उनके समक्ष उपस्थित हो गए। विष्णु जी और देवगुरु बृहस्पति ने देवों की दुर्दशा पर विस्तार से चर्चा की। विष्णु जी ने देवगुरु को कहा कि दानव गुरु शुक्राचार्य ने अपने तपोबल से महादेव से संजीवनी मंत्र प्राप्त कर लिया है और उन्होंने दानवों को आश्वास्त कर दिया है कि यदि तुम्हे मृत्यु भी प्राप्त हो जाएगी तो मैं तुम्हें अपने संजीवनी मंत्र की ताकत से पुर्नजीवित कर दूंगा, परन्तु स्वयं शुक्राचार्य अपनी मृत्यु के भय के शिकार हैं, अतः तुम उनके पास समुद्र मंथन का प्रस्ताव लेकर जाओ। समुद्र मंथन से अमृत निकलेगा इससे शुक्राचार्य भी भलीभांति जानते हैं। उन्हें यह भी ज्ञात है कि बिना देवताओं के सहयोग से समुद्र मंथन किया जाना संभव नहीं है, अतः वे इस प्रस्ताव पर तैयार हो जाएंगे और दानवों को समुद्र मंथन के लिए आदेश दे देंगे।

देवगुरु बृहस्पति जी योजनानुसार दानव गुरु शुक्राचार्य जी के पास समुद्र मंथन का प्रस्ताव लेकर गए। कुछ हील-हुज्जतों के बाद शुक्राचार्य समुद्र मंथन के लिए तैयार हो गए और उन्होंने दानव राज बलि को बुला कर देवों के साथ मिलकर समुद्र मंथन किये जाने का आदेश प्रदान कर दिया। सागर के तट पर दोनों दल देव और दानव उपस्थित हो गये। समस्या ये थी कि समुद्र मंथन किया कैसे जाये तब विष्णु जी ने अपने वाहन गरुण को आदेश दिया कि तुम हमारे सुदर्शन चक्र के साथ मंदार पर्वत पर जाओ। सुदर्शन चक्र मंदार पर्वत को जड़ से काट देगा और वासुकि नाग उसे लपेट कर उठा देगा। तुम हमारे पुष्पक विमान से मंदार पर्वत को बांधकर क्षीर सागर के तट पर ले जाओ और हमारे अगले आदेश की प्रतीक्षा करो। गरूण ने विष्णु की आज्ञानुसार सुदर्शन चक्र की मदद से मंदार पर्वत को जड़ से काट कर वासुकि नाग की मदद से विमान के द्वारा मंदार पर्वत को समुद्र में उतारने का पूरा प्रयास किया पर समुद्र की गहराईयों में मंदार स्थिर नहीं हो पा रहा था। तब विष्णु जी ने कच्छप (कछुए) का रूप धारण कर मंदार पर्वत को अपनी पीठ पर स्थिर कर दिया।

मंदार स्थिर हो गया, वासुकि नाग रस्सी के रूप में लिपट गया दोनों दल मंथन के लिए तैयार थे ही, तभी दानवों के अधिपति बलि ने देवताओं के अधिपति को कहा हम पूंछ की तरफ रहेंगे और आप वासुकि के मुख की तरफ, इस बात पर दोनों विवाद हो गया। दानवों ने समझौता तोड़ने का एलान कर जैसे ही मुड़ कर जाने के लिए हुए इतने में देव ऋषि नारद अपनी वीणा और खड़ताल के साथ नारायण-नारायण कहते हुए उपस्थित हो गये।

आते ही नारद जी ने दोनों दलों की ओर देखा और बोले क्या बात है देवेन्द्र यह मुख पर मलीनता अवसाद कैसे? इन्द्र ने कहा-'देव ऋषि यह दानव मानते ही नहीं कहते हैं कि हम वासुकी की पूंछ की तरफ रहेंगे और आप लोग मुंह की तरफ बताइये- यह इनकी मांग उचित है क्या? नारद जी ने अपनी खड़ताल बजाई और बोले देवेन्द्र दानव उचित ही तो कह रहे हैं श्रेष्ठ को ही तो मुंह की तरफ रहना चाहिये। दानव राज के बगल में खड़े उनके मंत्री ने कहा कि यह क्या कह रहे हैं देव ऋषि आप हमारा अपमान कर रहे हैं। देवता कभी श्रेष्ठ थे, अब नहीं। पराजित और पदच्युत कभी श्रेष्ठ नहीं हो सकते, हमने देवताओं पर विजय प्राप्त की है और हमेशा विजयी ही श्रेष्ठ होता है। अतः अब हम श्रेष्ठ है। नारद बोले बात तो आपकी उचित है दानव राजा। हमेशा विजयी ही श्रेष्ठ होता है, परन्तु दानव राज श्रेष्ठता के भी अपने कुछ मानक होते है। बताइये किसी जीव को मुख से पहचाना जाता है या उसके पिछवाड़े से। दानव राज ने तुरन्त जवाब दिया कि मुख से ही पहचाना जाता है तो मुख श्रेष्ठ हुआ या पिछवाड़ा, दानव राज बोला प्राकृतिक रूप से मुख ही श्रेष्ठ हुआ। नारद बोले तो देवराज इन्द्र गलत क्या कह रहे हैं, श्रेष्ठ को ही श्रेष्ठ की तरफ रहना चाहिए। दानव राज ने तुरन्त कहा तो ठीक है हम मुख की ओर से वासुकी को पकड़ेंगे और देवता गण पूंछ की ओर से खीचेंगे।

जब यह बात दानव गुरु शुक्राचार्य को पता लगी तो वे दानवो पर बहुत क्रोधित हुए वे बोले मूर्खों तुम लोगों में अकल है या नहीं। नारद की मीठी-मीठी बातों में आकर तुमने यह क्या निर्णय कर डाला। खींचने पर वासुकी जब अग्नि और जहर उगलेगा तो तुम सभी मंथन से पहले ही काल के गाल में समा जाओगे। इस पर दानव राज बोले अब क्या करें? गुरूदेव अब तो वचन दे दिया अब तो हमें मुख की ओर ही रहना होगा। शुक्राचार्य जी क्रोध में पांव पीटते रहे फिर उन्होंने आज्ञा देते हुए कहा ठीक है अमृत मेरे लिए बहुत आवश्यक है तुम्हें तो मैं संजीवनी मंत्र से पुनः जीवित कर दूंगा, परन्तु अमृत मुझे अवश्य चाहिये।

दानवराज के साथ सभी दानव कमर कस कर समुद्र मंथन के लिए आ गये। दानवों ने वासुकी को मुख की ओर से पकड़ा और देवताओं ने पूंछ की ओर से मंथन शुरू हो गया मंथन हजारों वर्षों तक चला, दानव वासुकी के आग उगलने और विषवमन से भूरक्षित होने लगे परन्तु शुक्राचार्य अपने संजीवनी मंत्र से उन्हें पुनः जीवित कर

शक्ति प्रदान कर देते थे।

इस मंथन में चौदह अनमोल वस्तुयें प्राप्त हुई जैसे कामधेनु, कल्पवृक्ष, एरावत हाथी, हीरे जवाहरात, सुरा, सुन्दरी, लक्ष्मी और अमृत लेकिन सबसे पहले निकला कालकूट विष। कहानी बहुत बड़ी न हो जाये अतः हम यहां पर तीन विषयों पर ही बात करेंगे।

कालकूट विष— समुद्र मंथन में सबसे पहले कालकूट विष निकला जिसकी गैसों और गन्द ने ही पूरी सृष्टि त्राहिमाम मचा दिया। पृथ्वी के जीव-जन्तु इन विषैली गैसों के प्रकोप से मरने लगे, सृष्टि के रचितया श्री ब्रह्मा हिल गये। इन विषैली गैसों का प्रभाव देवताओं दानवों पर भी पड़ा वे मुर्क्षित हो-हो कर गिरने लगे चारों ओर भगदड़ मच गई, जान बचाने का कोई उपाय किसी को दिखाई नहीं दे रहा था। ब्रह्मा की गद्दी हिलने लगी। वे भागे-भागे विष्णु जी के पास पहुंचे इतने में देवता भी विष्णु की शरण में पहुंच गये। ब्रह्मा द्वारा समुद्र मंथन में निकलने वाले कालकूट विष से पैदा हुई समस्या के बारे में बताया और उलहाना देते हुए कहा कि अच्छा आपने समुद्र मंथन का उपक्रम करवाया है। मेरी सृष्टि नष्ट होने के कगार पर है। तब विष्णु ने सुझाव दिया कि इस समस्या का निदान कोई कर सकता है तो वे हैं देवाधिदेव श्री शंकर। हम सभी को कैलाश पर शंकर जी की शरण में जाना चाहिए और उनको इस समस्या के संबंध में बताना चाहिए। विष्णु, ब्रह्मा और सभी देव गण कैलाश पर श्री शंकर के पास गये। शंकर अपनी योग मुद्रा में लीन थे। जयकारों की आवाज क्रन्दन में बदल गई। श्री शंकर ने अपने आसपास शोर सुना तो अपनी योगमुद्रा से जाग गये। सामने ब्रह्मा, विष्णु और देवगणों को देखकर आश्चर्यचकित हो बोले आज ऐसा क्या हो गया कि ब्रह्मा जी, विष्णु जी सहित सभी देवगण कैलाश पर, कोई विशेष प्रयोजन है क्या? तब ब्रह्मा ने हाथ जोड़कर समुद्र मंथन में निकलने वाले कालकूट विष से निकलने वाली गैसों और गंद से सृष्टि पर आई विपदा के बारे में विस्तार से बताया और सभी ने मिलकर सहायता की प्रार्थना की। श्री शंकर ने अपनी अन्तर दृष्टि से सब देखा और सहायता का वचन दे समुद्र तट पर आ गये और उस कालकूट विष को गैसों सहित अपने कंठ में उतार लिया इस विष के प्रभाव से श्री शंकर का गला नीला पड़ गया। विष्णु जी ने उस दिन शंकर जी को नया नाम दिया नीलकंठ। उस दिन से शंकर जी नीलकंठ कहलाए तथा सृष्टि को विनाश से बचा लिया।

समुद्र मंथन पुनः प्रारम्भ हो गया। समुद्र में से अनेकों बहुमूल्य उपहार निकले जिसमें से कामधेनू गाय, ऐरावत हाथी और कल्पवृक्ष जैसे वस्तुयें देवताओं ने अपने पास रख ली।

श्री लक्ष्मी का प्राकट्य और स्वयंवर प्रथा— समुद्र मंथन में श्री लक्ष्मी जी प्रकट हुई। देवता और दानव दोनों श्री लक्ष्मी जी को प्राप्त करने के लिए आपस में झगड़ने लगे। देवी लक्ष्मी ने अपने अन्तःकरण से विधाता से प्रार्थना की हे विधाता सृष्टि के रचियता मैं जन्म-जन्म से कमल नयन श्री विष्णु को अपने मन में बसाये हुए हूँ और आज मुझे पाने के लिए देवता और दानव युद्ध के लिए तैयार हो रहे हैं। मेरी रक्षा कीजिए प्रभु ! तभी वहां ब्रह्माजी प्रकट हो गये और दोनों दलों को संबोधित कर बोले 'यह देवी मेरी सहोदरा है। सागर पुत्री से किसी ने पूछा कि यह क्या चाहती है? ब्रह्मजी ने घोषणा करते हुये कहा आज से एक नई परम्परा का शुभारंभ होने जा रहा है और वह है स्वयंवर की प्रथा जिसमें नारी को अपना योग्य वर चुनने का अधिकार होगा। मैं आप सभी दानव और देवताओं को इस स्वयंबर में भाग लेने का आमंत्रण देता हूँ। ब्रह्माजी की बात समाप्त होते ही स्वयंबर की कार्यवाही प्रारम्भ हो गई। एक तरफ दानव दल और दूसरी ओर देवतागण विराजमान हो गये। श्री लक्ष्मी जी के हाथ में एक फूलों की माला स्वयं ब्रह्मा ने पकड़ा दी और आज्ञा दी कि अपने योग्य वर का चयन करने के लिए तुम पूरी तरह स्वतंत्र हो। लक्ष्मी जी पहले देवताओं की ओर गई उन्होंने इन्द्र सहित किसी देवता के गले में माला नहीं डाली। फिर वे दानवों के दल की तरफ गई और उन्होंने उनके गले में भी माला नहीं डाली इतने में वहां पर श्री विष्णु आ गये लक्ष्मी जी के मुख की आभा उनको देख कर खिल उठी और वे श्री विष्णु जी के सामने जा खड़ी हुई और फिर उन्होंने उनके गले में माला डाल दी। इस प्रकार सागर पुत्री श्री लक्ष्मी जी श्री हरि विष्णु को प्राप्त हो गई। दानव और देवता हतप्रभ देखते रह गये।

मंथन से निकला अमृत कलश— मंथन पुनः प्रारम्भ हो गया। इस बार मंथन लम्बा चला। दानव और देव दोनों थकने लगे पर अमृत की आशा में वे सभी और तेजी से समुद्र को मथने लगे तभी सागर की लहरों के बीच एक स्वर्ण कलश तैरता दिखाई दिया देवता और दानव उस कलश को प्राप्त करने के लिए दौड़ पड़े। कभी कलश दानवों के हाथ जाता कभी देवता उसे उनसे छीन लेते जब यह छीना-झपटी चल रही थी तभी श्री विष्णु मोहिनी रूप धारण कर वहां पर उपस्थित हो गये। एक अति सुन्दर नारी का सागर तट पर उपस्थित होना कोई संयोग नहीं था। जो जिस स्थिति में था वह वहीं खड़ा रह गया। विष्णु अपने मोहिनी रूप में मुस्कराते हुए आगे बढ़े और उस अमृत कलश को अपने हाथों में ले लिया।

मोहिनी रूप धारी विष्णु ने कहा कि आप दोनों दल अलग अलग पंक्ति बना कर बैठ जाये सभी को अमृत पिलाया जायेगा। दानव और देवता दोनों पंक्ति बना कर बैठ गये, मोहिनी रूपी विष्णु ने अमृत पिलाना देवताओं से प्रारम्भ किया। सबसे पहले इन्द्र को अमृत दिया, फिर और देवाओं को अमृत पिलाया जाने लगा। दानवों में से एक दानव कृत राहब देवताओं का रूप धारण कर देवताओं की पंक्ति में आकर बैठ गया। जब मोहिनी रूपधारी विष्णु उसे अमृत दे रहे थे, तभी चन्द्र देव और सूर्य देव ने उसे अमृत देने का विरोध करते हुए कहा कि यह देव नहीं दानव है और रूप बदल कर देवों की पंक्ति में आ बैठा है। तब तक मोहिनी उसके हाथों में अमृत की कुछ बूंदे डाल चुकी थी जैसे ही उसने अमृत को मुंह में डाला वैसे ही विष्णु ने अपने सुदर्शन से उसकी गरदन को धड़ से अलग कर दिया। अमृत की कुछ बूदें उसके गले के नीचे उतर गई थी अतः सिर का भाग और धड़ दोनों अमर होकर राहू और केतु के रूप में स्थापित हो गये। जो आज भी चन्द्र और सूर्य को खाने के लिए बेताब है और उस दिन से सूर्य ग्रहण और चन्द्र ग्रहण पड़ने लगा।

सभी देवताओं को मोहिनी रूप धारी विष्णु ने अमृत चखा दिया। देवों में शक्ति का सृजन हो गया कलश में अमृत बचा ही नहीं

अतः दानवों को अमृत नहीं मिल पाया। वे युद्ध के लिए आतुर हो गये। अमृत चखने से देवों में शक्ति संचलित हो चुकी थी अतः उन्होंने दानवों का समूल नाश कर दिया।

अमृत की सबसे अधिक चाहना दानव गुरु शुक्राचार्य को थी उन्हें भी अमृत नहीं मिल पाया। विष्णु ने उन्हें सौर मण्डल में शुक्रग्रह के रूप में और बृहस्पति जी को बृहस्पति ग्रह के रूप में सौर मण्डल में स्थापित कर दिया। उसी समय से पृथ्वी वासियों के जीवन पर शुक्र ग्रह, बृहस्पति ग्रह और राहू ग्रह, केतु ग्रह की दशाओं और दिशाओं का असर समयावधि के अनुसार पड़ने लगा।

इस पौराणिक कथा से कुछ प्रश्न उपजते हैं—

(1) क्या नारद समुद्र मंथन के समय देवताओं और दानवों के बीच अनायास आये थे या किसी योजना के तहत?

(2) समुद्र मंथन में सबसे पहले जो कालकूट विष निकला वह समुद्र जैसे नीर क्षीर जल में कैसे पैदा हुआ? क्या आज यदि समुद्र मंथन हो तो वहां से सबसे पहले क्या निकलेगा? भूमण्डल के अवशिष्ट पदार्थ समुद्र में समाये हुए है समुद्र में न जाने कितनी जहरीनी गैसे और पदार्थ समाये हुए हैं। क्या समुद्र की परिकल्पना आधुनिक युग के मनुष्य के मन के साथ की जा सकती है?

(3) दानव और देवताओं के बीच यह समझौता हुआ था कि जो भी समुद्र में से प्राप्त होगा वह बराबर-बराबर बांटा जायेगा। समुद्र में से निकले सभी द्रव्यों, पदार्थों, वस्तुओं और जीवों को बांटने का काम श्री हरि विष्णु को सौंपा गया। क्या श्री हरि विष्णु ने देवताओं और दानवों के बीच सही वितरण किया?

(4) स्वयंबर प्रथा का चलन ब्रह्मा द्वारा एक योजना के तहत किया या फिर नारी की श्रेष्ठता स्थापित करने के लिए?

(5) क्या अमृत वितरण में मोहिनी रूपी विष्णु द्वारा निष्पक्षता रखी गई? यदि नहीं तो उन्होंने षडयन्त्र पूर्ण पक्षपात क्यू किया?

(6) राहुकृत दानव को अपने सुदर्शन चक्र द्वारा धड़ से सिर अलग करना विष्णु का सही कृत्य माना जा सकता?

यह कुछ प्रश्न हैं जो हर जागरूक मानव के लिए दिल-दिमाग में हलचल पैदा कर सकते हैं। अमृत तो देवताओं में वितरित हो गया वह तो बचा ही नहीं तो अमृत स्थापना कैसी? नाम रखने से अमृत की स्थापना नहीं हो सकती उसके लिए सभी को अपने मनोभावों को साफ करना होगा। अब तक बहुत कालकूट विष का उत्सर्जन हो चुका है इस विष वमन ने सामाजिक ताने-बाने को बहुत दूषित कर दिया है। क्या कोई संभावना बची है कि महासभा का अस्तित्व बचा रह सके।

-अशोक कुमार जैन
2-बी, रामद्वारा कॉलोनी, महावीर नगर, जयपुर

शाखा समाचार

शाखा इन्दौर

अ.भा.प. जैन महासभा शाखा इन्दौर के तत्वावधान में मध्य प्रदेश दृष्टिहीन कल्याण संघ द्वारा संचालित हेलेन केलर स्कूल छात्रावास इन्दौर में बच्चों के साथ बड़े ही भव्यता के साथ राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस पर्व मनाया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ तिरंगा ध्वजारोहण फहराया गया। साथ ही राष्ट्रीय गीत की सामूहिक प्रस्तुति व तत्पश्चात हेलेन केलर स्कूल छात्रावास के दृष्टिहीन बच्चों के द्वारा गणतंत्र दिवस पर अपने उद्‌बोधन द्वारा गणतंत्र दिवस पर्व के महत्व के बारे में बताया गया, उसके उपरांत दृष्टिहीन बच्चों द्वारा संगीतमय वाद्ययंत्रो सहित राष्ट्रीय गीत व वंदे मातरम् व अन्य गातों की प्रस्तुति दी गई, दृष्टिहीन बच्चों की अद्भुत प्रस्तुति देखकर सभी की आंखें नम व सभी लोग भावुक हो गए, तत्पश्चात करगिल युद्ध में शहीद गौतम जैन इन्दौर के माता-पिता श्री सुमत प्रकाश जी व श्रीमती सुधा जी जैन, शहीद के बड़े भाई डॉ. सिद्धार्थ व भतीजे अरिंजय जैन का पल्लीवाल जैन महासभा शाखा इंदौर अथिति संस्था के अध्यक्ष भंडारी जी, सचिव चौहान जी, रोटरी क्लब के घनश्याम साहू, इंदौर आकाशवाणी से शिखा साहू द्वारा तिरंगा पगड़ी पहनाकर, दुपट्टा, बैंच व माल्यार्पण करके सम्मानित किया गया।

शहीद गौतम जैन के पिता श्री सुमत प्रकाशजी व डॉ. सिद्धार्थ जैन सीएचएल अपोलो (गेस्टो सर्जन) द्वारा सभी दृष्टिहीन बच्चों के पेट से सम्बंधित बीमारी के लिए निःशुल्क सेवा देने की घोषणा भी की गई। कार्यक्रम का समापन देशभक्ति के गीत व वंदे मातरम के उच्च घोष के द्वारा किया गया, उसके पश्चात दृष्टिहीन बच्चों को व छात्रावास के सभी पदाधिकारियों को फल, मिठाई व नाश्ता वितरण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित श्री सुमत प्रकाश जी, श्रीमती सुधा जी, श्री राजीव रतन, श्री रत्नेश, इंदौर शाखा अध्यक्ष- श्री राजेंद्र कुमार, मंत्री- इन्द्र कुमार जैन, श्री सुनील कुमार, प्रेमलता जैन, डॉ. सिद्धार्थ, सुधीर, प्रवीण, दिलीप, नरेश, दीपक, राकेश व अन्य समाजसेवी उपस्थित हुए। अंत में आभार शाखा अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जैन जी ने व्यक्त किया।

शाखा कन्नौज

75वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर अ.भा.प. जैन महिला मंडल व ऋषभ जैन स्कूल, कन्नौज (उ.प्र.) द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्कूल के बच्चों को भी सम्मानित किया गया कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष- श्री पुष्पराज जैन, मंत्री- श्री अशोक जैन, प्रबंधक- श्री सुशील जैन, सदस्य- श्री संजीव जैन, श्रीमती माया जैन, श्रीमती डॉली जैन, श्रीमती मीना जैन, श्रीमती ऋतु जैन, श्रीमती ममता जैन, श्रीमती लक्ष्मी जैन, श्रीमती संगीता जैन आदि उपस्थित थे।

शाखा जयपुर

दि. 26.01.2024 को पल्लीवाल भवन पर अ.भा.प. जैन महासभा, शाखा जयपुर द्वारा 75वां राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जयपुर शाखा के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन के द्वारा शाखा के मंत्री श्री मनोज कुमार जैन, अर्थमंत्री श्री अनिल कुमार जैन, उपाध्यक्ष श्री रवि जैन सोडाला, सहमंत्री श्री अरविंद जैन राजश्री, पत्रिका संयोजक श्री गगन जैन, विवाह संयोजक श्री लक्ष्मी चंद जैन, कार्यकारिणी सदस्य श्री पारस मल जैन (केंद्रीय विवाह संयोजक), श्री पारस चंद जैन भू.पू. मंत्री, श्री अजय कुमार जैन एवं श्री मनोज कुमार जैन आईसीआईसीआई बैंक के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और राष्ट्रगान गया गया तथा मितांशी जैन ने देश भक्ति गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झण्डा ऊंचा रहे हमारा' की जोरदार प्रस्तुति दी।

पल्लीवाल महिला मंडल जयपुर की अध्यक्ष श्रीमती रमा जैन, चन्द्रप्रभु महिला मंडल शक्ति नगर की अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला जैन, शाखा के भू.पू. अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कुमार जैन एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी गरिमामय उपस्थिति दी। अंत में सभी महानुभावों को राष्ट्रीय पर्व पर उपस्थिति देने के लिए आभार व्यक्त करते हुए अल्पाहार कराया गया।

शाखा पैंची

निमाड़ सौरभ गुरुणी मैया पू. श्री रमणीक कुँवर की म.सा. (द.मु.), श्री नूतन प्रभा जी म.सा., श्री पूनम श्री जी म.सा., श्री जय श्री जी म.सा., श्री वंदना श्री जी म.सा. ठाणा 5 शिवपुरी का सफल चातुर्मास पूर्ण करके गुना-बीनागंज होते हुए दि. 27.12.2023 को पैंची नगर में मंगल प्रवेश किया।

पैंची श्रीसंघ को 2 दिन का धर्मलाभ एवं सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ। पू. गुरुणी मैया ने अपने आशीर्वचन में आत्मीयता एवं स्नेह भाव प्रकट करते हुए पैंची समाज को अपना घर बताया। पू. गुरुणी मैया की गुरु बहिन तपस्वी रत्ना पू. साध्वी श्री गरिमा श्री जी म.सा. का देवलोक गमन पैंची में ही दि. 13.04.2006 को हुआ है। जिनकी स्मृति में समाधि मंदिर का निर्माण हुआ है। इससे पूर्व में भी तीन साधु एवं साध्वी जी का देवलोक गमन पैंची में ही हुआ है। यहां से विहार करके म.सा.

कोटरा होते हुए ग्राम नैत्याखेड़ी पधारे। नैत्याखेड़ी ग्राम में म.सा. के प्रवचन हुए जिसमें सैकड़ों की संख्या में जैन एवं अन्य समाज के श्रद्धालु एकत्रित हुए। पू. साध्वी संघ ने श्री अजय कुमार गौरव कुमार जैन के निवास पर एक रात्रि विश्राम किया। अगले दिन प्रातः काल में पू. साध्वी संघ ने इंदौर की ओर विहार किया।

शाखा पालम

अमृत स्थापना एवं 2550वां महावीर निर्वाण वर्ष महोत्सव 2024 के अन्तर्गत दूसरा पर्व गणतंत्र दिवस अ.भा.प. जैन महासभा, पालम शाखा ने 4 फरवरी 2024 को बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। सर्वप्रथम झंडा रोहण किया गया। राष्ट्रीय गीत गाया गया, णमोकार महामंत्र का उच्चारण किया गया। भारत माता की जय व वन्दे मातरम् के उच्चारण के बाद सभी उपस्थित सदस्यों/महानुभावों को मिठाई वितरित की गई।

इसके पश्चात कार्यकारिणी की टीम वयोवृद्ध जनों के सम्मान श्रृंखला में उनका सम्मान करने, उनका हाल-चाल पूछने, उनका आशीर्वाद लेने उनके निवास स्थानों पर गयी।

शाखा गंगापुर सिटी

अ.भा.प. जैन महासभा, शाखा गंगापुर सिटी व श्री जैन रत्न युवक परिषद के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को जैन समाज के पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री 1008 श्री हस्तीमलमल की महाराज साहिब के जन्मदिवस पर 108 फुटीय श्री हनुमान जी गौशाला समिति दौलतपुर में गौवंश को हरा चारा सब्जियां व गुड़ व सूखे चारे खिला गौसेवा की गई। इस मौके पर समाज के वरिष्ठजन सहित युवा वर्ग मौजूद रहा।

****

दि. 14.02.2024 को अ.भा.प. जैन महासभा शाखा गंगापुर सिटी द्वारा अमृत महोत्सव-2024 के तहत बसंत पंचमी का कार्यक्रम मनाया गया। अ.भा.प. महासभा के मंत्री हेमन्त जैन ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजीव जी पल्लीवाल व रीना जी पल्लीवाल (हीरो शोरूम) ने सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। शीतल जैन द्वारा मंच संचालन करते हुए समाज व अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युगल जोड़े का सम्मान विशिष्ट अतिथियों द्वारा करवाया गया। ममता जैन, आरती जैन द्वारा सरस्वती वंदना की गयी। कार्यक्रम के पधारे हुए सभी सदस्यों का कु. प्राची जैन द्वारा चन्दन का तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

अध्यक्ष श्री सुरेश चंद जैन ने अ.भा.प. जैन महासभा के 55वें स्थापना दिवस व महासभा के द्वारा देश व समाज के लिए किये जा रहे कार्यों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में अल्पाहार की व्यवस्था की गयी। इस कार्यक्रम के अवसर पर अभिषेक पल्लीवाल, धर्मेश जैन, अनिल जैन, सौरभ जैन, मुकेश जैन, अरविन्द जैन, हेमन्त जैन, कृपाल जैन, धीरज जैन, रजनीश जैन, हेमराज जैन, राजेंद्र जैन व महिला मंडल की अध्यक्ष आरती जैन, किरन जैन, निशा जैन, सुमन जैन ममता जैन, नीलम जैन, वर्षा जैन, प्रियंका जैन, प्रीती जैन, सपना जैन, विनीता जैन, आरोही जैन व समाज के कई महिला पुरुष उपस्तिथ रहे।

गंगापुर के सम्मानित रत्न– 1. वीर माता पिता- श्री राजेंद्र जी, श्रीमती तारा जैन, 2. श्री राजीव जी, श्रीमती रीना पल्लीवाल, 3. श्री सुरेश जी, श्रीमती सुमन जैन, 4. श्री हेमन्त जी, श्रीमती किरन जैन, 5. श्री धर्मेश जी, श्रीमती सुधा जैन, 6. श्री अनिल जी, श्रीमती नीलम जैन, 7. श्री अरविन्द जी, श्रीमती विनीता जैन, 8. श्री हेमन्त जी, श्रीमती सपना जैन, 9. श्री अभिषेक जी, श्रीमती वर्षा जैन, 10. श्री शीतल जी, श्रीमती आरती जैन।

शाखा कोटा

अमृत महोत्सव-2024 के तहत कोटा शाखा द्वारा बसंत पंचमी महोत्सव श्री पल्लीवाल जैन भवन दादाबाड़ी कोटा में दि. 11.2.2024 को धूमधाम से मनाया गया। महिला मंडल ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में शाखा अध्यक्ष श्री पदम चंद जैन द्वारा सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया। मंगलाचरण महिला मंडल की अध्यक्ष डॉ. शशि जैन, श्रीमती मीना जैन एवं श्रीमती सुनीता जैन द्वारा किया गया। बालक प्रिंस जैन दादाबाड़ी कोटा द्वारा सुंदर भजन प्रस्तुत किया। श्रीमती मीना जैन महावीर नगर विस्तार द्वारा भक्ति भाव से भरा सुंदर भजन प्रस्तुत किया। श्रीमती प्रभा जैन पत्नी श्री उमेश जैन महावीर नगर द्वारा अपने उद्‌बोधन में सामाजिक कुरीतियों के बारे में प्रकाश डाला। शाखा अध्यक्ष ने सबको बसंत पंचमी की बधाई दी तथा बसंत पंचमी त्योहार के बारे में प्रकाश डाला वर्तमान युग में सामाजिक कुरीतियों के बारे में बताया तथा युवा वर्ग को सावधान रहने का आह्वान किया। लोकसभा चुनाव निकट भविष्य में होने वाले हैं, अतः मतदान का महत्व बताया तथा कहा कि हम सबको मतदान अवश्य करना चाहिए। शाखा अध्यक्ष द्वारा सभी समाज बंधुओ का आभार व्यक्त किया। मंच का कुशल संचालक महिला मंडल की अध्यक्ष डॉ. शशी जैन कोटा द्वारा किया गया। अल्पाहार किया गया, इसके पश्चात कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

शाखा अलवर

अमृत स्थापना एवं 2550वां महावीर निर्वाण वर्ष महोत्सव-2024 के अन्तर्गत दिनांक 26 जनवरी 2024 को 75वें गणतंत्र दिवस-2024 के पावन अवसर पर श्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा शाखा अलवर में प्रातः 8:00 बजे ध्वजारोहण का कार्यक्रम हुआ। ध्वजारोहण शाखा अध्यक्ष श्री वी.के. जैन, उपाध्यक्ष श्री जगदीश जैन व अर्थमंत्री श्री रूपेश जैन के द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे।

शाखा हिण्डौन सिटी

अमृत महोत्सव वर्ष के अन्तर्गत हिण्डौन सिटी शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस-2024 ऑक्सफ़ोर्ड पब्लिक सैकेन्डरी स्कूल के बच्चों के साथ धूमधाम से मनाया गया।

****

अमृत स्थापना एवं 2550वां महावीर निर्वाण वर्ष महोत्सव 2024 के अंतर्गत 7 जनवरी 2024 को स्व. श्री राहुल जैन की स्मृति में भामाशाह केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुशील जैन के सौजन्य से अ.भा.प. जैन महासभा शाखा हिंडौन सिटी द्वारा जैन स्थानक नई मंडी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 206 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

शाखा ग्वालियर

अमृत स्थापना-2024 के अंतर्गत ग्वालियर शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस केदारपुर स्थित 'वनवासी छात्रावास' में धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम छात्रावास के स्टाफ एवं बच्चों के साथ सभी ने झंडावंदन किया। फिर बच्चों ने राष्ट्रगीत गाकर, देशभक्ति गीतों पर कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। उसके पश्चात शाखा के लोगों ने बच्चों के साथ चेयर रेस तथा खेलकूद किये।

वहाँ उपस्तिथ सभी 80 छात्रों को समाज के सहयोग से बेडशीट एवं तकिया कवर भेंट किया। सभी बच्चों को एक पेन पैकेट व झंडा भी गिफ्ट किया गया और भोजन कराया गया। शाखा अध्यक्ष श्री राकेश जैन ने वहां उपस्तिथ सभी महिला एवं पुरुषों का आभार व्यक्त किया एवं आगामी कार्यक्रमों में सहभागिता के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर भागचंद जैन, पंकज जैन, महेंद्र जैन, पारस जैन, कमल जैन, रवि जैन, पूरन जैन, प्रिंस जैन, शीतल जैन, अलका जैन, सुधा जैन, मंजू जैन, अंजू जैन व अन्य गणमान्य उपस्तिथ थे। महिला मंडल की ओर से श्री शांतिनाथ पल्लीवाल जैन मंदिर, विवेक नगर में एक स्टील की अलमारी भेंट की गयी। शाखा महिला मंडल द्वारा मंदिर जी को किये गए दान पुण्य की अनुमोदना करती है।

****

अ.भा.प. जैन महिला मंडल (प्रज्ञामति) शाखा ग्वालियर के लिए चुनाव सम्पन्न हुए एवं दि. 11.02.2024 को शपथ ग्रहण समारोह एवं बसंत पंचमी महोत्सव का कार्यक्रम संपन्न किया गया। इसमें नवीन टीम एवं कार्यकारिणी ने भी शपथ ली।

नवीन टीमः– अध्यक्ष- श्रीमती कल्पना जैन (एडवोकेट), सचिव- श्रीमती ममता जैन, कोषाध्यक्ष- श्रीमती सुनीता जैन (मामा का बाजार), उपाध्यक्ष- श्रीमती रचना जैन, सहसचिव- श्रीमती मिनी जैन, सहकोषाध्यक्ष- श्रीमती विमलेश जैन (हनुमान नगर), सांस्कृतिक मंत्री- श्रीमती मनीषी जैन, सह सांस्कृतिक मंत्री- श्रीमती नीलम जैन, चुनाव अधिकारी- श्रीमती मंजू जैन, सह चुनाव अधिकारी- श्रीमती सुशीला जैन, कार्यकारिणी सदस्य- श्रीमती मीतू जैन, श्रीमती निर्मल जैन, श्रीमती सुनीता जैन (फालका बाजार), श्रीमती आरती जैन, श्रीमती रीना जैन, श्रीमती मीनाक्षी जैन, श्रीमती लक्ष्मी जैन, श्रीमती मीरा जैन, श्रीमती शशि जैन, श्रीमती राधा जैन श्रीमती अनूप जैन। नवीन सदस्यों (रिया जैन एवं कीर्ति जैन) ने भी शपथ ली। शपथ श्रीमती चमन जी जैन के द्वारा दिलाई गई।

कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन पूर्व अध्यक्षों (श्रीमती पुष्पा जैन श्रीमती सुधा जैन कांटे, श्रीमती मिथिलेश जैन, श्रीमती मंजू जैन, श्रीमती चमन जैन, श्रीमती रत्नप्रभा जैन) के द्वारा किया गया एवं मंगलाचरण की प्रस्तुति श्रीमती मनीषी जैन ने दी। सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्वलन कर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति कु. आर्ची जैन एवं कु. गार्गी जैन के द्वारा दी गई। मंच संचालन श्रीमती मीतू जैन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संपूर्ण महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रही। सभी ने बसंती वस्त्र धारण किए हुए थे। इसके बाद सबने विभिन्न गेम्स खेले एवं अंत में सुरूचि भोजन का आनंद लिया।

नवम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती शशी जी जैन (प्रीती)

(13.07.1965 - 22.03.2015)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं
प्रेरणादायक चरित्र हमारा सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत्-शत् नमन करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पवन कुमार जैन (पति)

एवं समस्त अठवर्षिया परिवार (धनौली वाले)

टीकम चन्द-स्व. श्रीमती उर्मिला जैन *(ससुर-सास)*
अशोक-आशा *(जेठ-जेठानी)*
अतुल-अंजू *(देवर-देवरानी)*
मंजू-गिरीश *(ननद-ननदोई)*
पारूल-अंकित *(पुत्री-दामाद)*
प्रगति-आयुष *(पुत्री-दामाद)*
अभिषेक *(पुत्र)*
गौरव-सौम्या *(भतीजा-भतीजा बहु)*
शिल्पी-विशाल *(भतीजी-भतीजी दामाद)*
नेहा-विपिन *(भतीजी-भतीजी दामाद)*
आशी *(भतीजी)*
अव्यान, रेयान, अरिका *(दोहेते, दोहती)*

जगन प्रसाद-मिथलेश *(चाचा ससुर-सास)*
किशनचन्द-राजरानी *(चाचा ससुर-सास)*
महावीर प्रसाद-शान्ती *(पिताजी-माताजी)*
विमल-राज *(चाचा-चाची)*
निर्मला *(चाची)*
राजीव (आर.ए.एस.)-मीनू *(भाई-भाभी)*
मनीष-अनामिका *(भाई-भाभी)*
अमित-छवि *(भाई-भाभी)*
विवेक, सिद्धार्थ, प्रज्ञा *(भतीजे, भतीजी)*

निवास :

बी-37, वैशाली नगर, जयपुर, मो.: 9413621783, 9413748734

चतुर्थ पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री नरेश चंद जी जैन

(स्वर्गवास : 16 मार्च 2020)

हम सभी परिजन आपके प्रेरणादायक जीवन व आदर्शों को हृदयस्थ रखते हुए श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती बिमला देवी जैन
(धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
संजय जैन-अंजली जैन
नितिन जैन-नेहा जैन
विपिन जैन

पौत्र, पौत्री :
ऋषभ, दिव्या, दिव्यांश,
हिमांशु, हार्दिक, भावित जैन

भ्राता-भ्रातावधु :
स्व. श्री नरेन्द्र कुमार जैन-कविता जैन
श्री उमेश जैन-राजुल जैन
श्री पारस जैन-मधु जैन
श्री अरिहंत जैन-रमा जैन

भतीजे-भतीजे वधु :
मनोज जैन
मनीष जैन-रूचि जैन
रजनीश जैन-मंजू जैन
विपिन जैन-रीना जैन
पीयूष जैन-ज्योति जैन
विपिन जैन-डॉ. याचना जैन
योगेश जैन-दीपांशु जैन
गौरव जैन-बंदना जैन

प्रतिष्ठान :

मे. श्याम बाबा स्वीट्स
पुराना बाजार, पालम गांव, नई दिल्ली-45 (मो. 9289340862)

मे. श्याम बाबा स्वीट्स
आर.जेड.-1बी, पूरन नगर, पालम गांव, नई दिल्ली-77 (मो. 9999693739, 9711095557)

निवास : **डब्ल्यू जेड-561, पालम गांव, नई दिल्ली-110045**

PRODUCTS :

Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards

Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)

Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission PVT. LTD.

Plant :

PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :

210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

हार्दिक बधाई

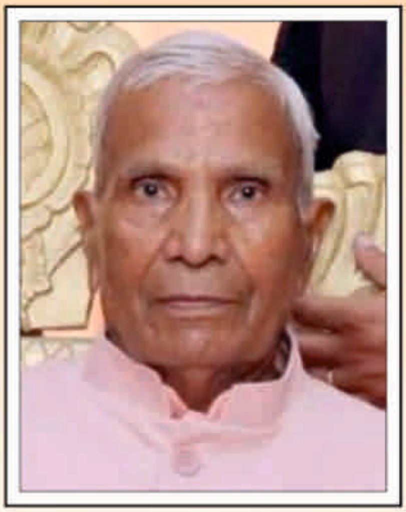

श्री अमीर चन्द जैन

(सेवानिवृत्त आर.ए.एस.)

के

95वें जन्म दिवस (6 मार्च 2024) पर

मंगल कामनाऐं

इस सुअवसर पर

पूज्य माताजी **स्व. श्रीमती पुष्पलता जैन**
(धर्मपत्नी श्री अमीर चन्द जैन)

का पावन स्मरण।

शुभेच्छु

सतीश चन्द-सुंदरी जैन
(उपनिदेशक आयुर्वेदिक सेनि.)

गिरीश-रेखा जैन
(अधिशाषी अभियन्ता, पी.एच.ई.डी.)

पवन जैन-सीमा जैन
(प्रधानाचार्य)

निवास :
नहर रोड, गंगापुर सिटी
6/338, एस.एफ.एस. अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
5/106, एस.एफ.एस. अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

(CR D-3121)

द्वितीय पुण्य तिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

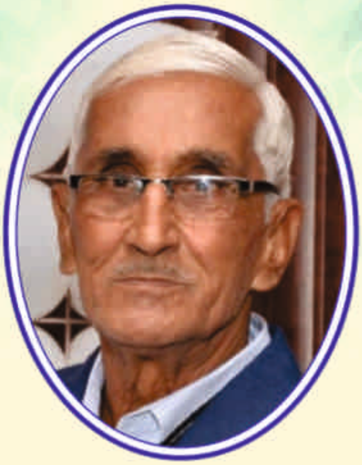

स्व. श्री जवाहर लाल जी जैन

पूठी वाले

(पूर्व प्रधान, पंचायत समिति रामगढ़)

(जन्म : 24.10.1944) (स्वर्गवास : 13.02.2022)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र हमारी स्मृति में सदा रहेगा एवं मार्गदर्शन करता रहेगा। हम सभी परिवारजन आपको शत्-शत् नमन करते हुए अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

धर्मपत्नी :
श्रीमती नलिनी जैन

भाई-भाभी :
हीरालाल-सुमन
अशोक कुमार-रीता

बहन-बहनोई :
सरोज-महावीर प्रसाद
एवं समस्त आमेश्वरी परिवार

पुत्र-पुत्रवधु :
अनुराग-अनुपमा
पराग-रीना
चिराग-मोनिका
शुभम

पुत्री-दामाद :
प्रियंका-निशांत
प्रीति-मुनेंद्र

पौत्री :
लाकृति, प्रज्ञा

निवास

जैन मोहल्ला, रामगढ़ (अलवर)
फोन नं. : 9024083810, 8058095000

S. R. ENTERPRISES

TRANSASIA

Roche

TOSOH

BIOMÉRIEUX

Ortho-Clinical Diagnostics

a Johnson & Johnson company

Abbott

BIO-RAD

SD BIOSENSOR,INC.

Stago

Diagnostics is in our blood.

B-18&19, Jai Jawan Colony Scheme No. 1st, Tonk Road, Jaipur-302018 (Rajasthan)

(M) +91-9829012628, +91-9414076265 E-mail : srindiaentp@yahoo.com

भावभीनी श्रद्धांजलि

शिवचरण लाल जैन
(05.01.1935 - 04.02.2024)

प्रेम देवी जैन
(01.01.1940 - 05.12.2022)

(कोटिया परिवार मंडावर वाले)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं
प्रेरणादायक चरित्र हमारा सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत्-शत् नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
माया जैन
विमला जैन
मुकेश जैन-मंजू जैन
राकेश जैन-नीलम जैन
राजेश जैन-प्रियंका जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
प्रिंस जैन-नीति जैन
विवेक जैन-रुचिका जैन
सौरभ जैन-मिनी जैन
शुभम जैन-शिवानी जैन

पौत्र : शोभित, हिमांशु, प्रियांशु
पड़पौत्र : नित्य, लड्डू *पड़पौत्री :* आरु, दिविशा

प्रतिष्ठान
वर्धमान इंडस्ट्रीज इण्डिया, जयपुर • दीपिका ट्रेडर्स, जयपुर • डी.बी.सी., जयपुर • सौरभ बैग, अलवर

निवास : 77/167, अरावली मार्ग, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020

BLUE STAR

Mr. Amit Jain (Shanky)
Jaipur (Kherli)

Mr. Kranti Jain
Jaipur (Kherli)

Mr. Mohan Kumar
Jaipur

ATRE

ATREO INTERNATIONAL

An Authorised BLUESTAR Channel Partner:-

Deals In:- Air Conditioning & Refrigeration Products

Split | Deep Freezer | Water Cooler | Ductable | Cold Room | Cooling Tower | VRF

Ind. Chiller | Air Cooler | Water Purifier | Air Purifier

Exclusive Showroom : 11/61, Kaveri Path, Mansarovar, Jaipur - 302020 (Raj.)
Ph : 9785105777, 9636607999, 9828105777

Reg. Office : P. No. 08, Sumer Nagar Vistar, Mansarovar Ext., Jaipur - 302020
Ph : 9785105777, 9636607999, 8561030303

Power Retailer No. 1 in North Region FY-2021-22

Power Retailer No. 1 in North Region FY-2022-23

E-mail : amit@atreointernational.com // Visit us : www.atreointernational.com

शाखा आगरा

अ.भा.प. जैन महासभा शाखा आगरा द्वारा अमृत महोत्सव के तहत 75वां गणतंत्र दिवस बड़ी ही धूमधाम के साथ श्री पल्लीवाल दिगंबर जैन मंदिर धूलियागंज पर बनाया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्री रविंद्र जैन व मंदिर कमेटी अध्यक्ष श्री पवन जैन (चूने वालों) द्वारा संयुक्त रूप से ध्वज फहराया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्री रविंद्र जैन ने कहा कि हम सभी को इस तरह के पर्वों को बनाना चाहिए जिससे कि हमारी एकता व अखंडता बनी रहे। मंदिर मंत्री मनीष जैन ठेकेदार द्वारा शाखा के सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों का माला व चंदन लगाकर स्वागत किया।

शाखा मंत्री प्रमेन्द्र जैन द्वारा पूर्वी क्षेत्र के वृद्धजन, त्यागी वृत्तियों श्री जयंती प्रसाद जी जैन (ठेकेदार), मंदिर अध्यक्ष श्री पवन जैन, श्रीमती मनोरमा देवी जैन, श्रीमती संतोष बरोलिया, श्रीमती पुष्पा जैन, श्रीमती मुन्नी देवी जैन, श्रीमती कमला देवी जैन को शॉल व माला पहनाकर उनका सम्मान किया गया।

शाखा अध्यक्ष रविंद्र जैन, मंदिर अध्यक्ष पवन जैन, शाखा मंत्री प्रमेंद्र जैन, मंदिर मंत्री मनीष जैन, अर्थमंत्री दीपक जैन, केंद्रीय संगठन मंत्री राहुल जैन एडवोकेट, केंद्रीय संयुक्त मंत्री राहुल जैन, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री विमल जैन, श्री राकेश जैन बजाज, श्रीमती अलका जैन बजाज, वरिष्ठ समाजसेवी महेश जैन स्टेट बैंक, गिरीश जैन, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सपना जैन, अर्थमंत्री श्रीमती रेखा जैन, शिवम जैन, अमित जैन, सुरेंद्र जैन, राजीव जैन, अंकुश जैन, लोकेश जैन, मोंटू जैन, साहू जैन, पंकज जैन, अमित जैन, संदीप जैन, भूषण जैन, नरेंद्र जैन गैस वाले आदि उपस्थित थे। संचालन प्रमेन्द्र जैन द्वारा किया गया।

शाखा ग्रामीण आंचल आगरा

देश के 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अ.भा.प. जैन महासभा शाखा ग्रामीण अंचल आगरा द्वारा ध्वजारोहाण का कार्यक्रम श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मिढ़ाकुर आगरा पर आयोजित किया गया। जिसमें समाज के वरिष्ठ लोगों का स्वागत किया गया और अछनेरा के जैन मंदिर के अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद जैन जी ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम शुरुआत की। ध्वजारोहण शाखा अध्यक्ष श्री विनोद कुमार जैन और केन्द्रीय संगठन मंत्री देवेश जैन द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन शाखा मंत्री श्री संजीव कुमार जैन द्वारा किया गया। ग्रामीण शाखा के संरक्षक श्री अगन चंद जैन का सम्मान किया गया। ग्रामीण अंचल के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे और महिला मंडल की बहुत अच्छी भागीदारी रही। जिसमें मिढ़ाकुर के मंदिर के अध्यक्ष श्री पुष्पेंद्र जैन, मंत्री निर्मल कुमार जैन, अर्थमंत्री पंकज कुमार जैन और अन्य मिढ़ाकुर निवासी की अच्छी भूमिका रही।

शाखा के उपाध्यक्ष श्री सतीशचंद जैन, सदस्य गजेंद्र कुमार जैन, मनकेश कुमार जैन, राकेश कुमार जैन, दिशू जैन, सौरभ जैन, रितेश जैन, जयशु जैन, यश जैन, क्रिश जैन, हितेश जैन, मिढ़ाकुर के प्रधान रामवीर, निर्मल कुमार पंडित जी, महिला मंडल अध्यक्ष पूनम जैन, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पिंकी जैन, महिला मंडल अर्थ मंत्री मधु जैन, ममता जैन, रेखा जैन, सत्यवती जैन, गीता देवी जैन, गुड्डी जैन, मंजू जैन, प्राणु जैन, सकल जैन समाज ग्रामीण अंचल एवं मिढ़ाकुर के सभी लोग उपस्थित थे। सभी के लिए अल्पहार की व्यवस्था थी। शाखा अध्यक्ष श्री विनोद कुमार जैन ने कार्यक्रम की खूब अनुमोदना की और सबका धन्यवाद वयक्त किया।

****

अ.भा.प. जैन महासभा शाखा ग्रामीण अंचल आगरा द्वारा अमृत स्थापना एवं 2550वां महावीर निर्वाण वर्ष महोत्सव-2024 के अन्तर्गत बसंत पंचमी के उपलक्ष में 11 फरवरी 2024 को श्री जगन विहार स्कूल, महावीर दिगंबर जैन मंदिर के पास, अछनेरा में प्रातः 10:00 बजे कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें ग्रामीण अंचल के समस्त सदस्य, महिला मंडल की सभी महिला पदाधिकारी, सभी समस्त समाज के पदाधिकारी और युवामंडल के सभी युवागण की उपस्थिति थी।

सबसे पहले कार्यक्रम में ध्वजारोहण श्रीमती निर्मला जैन पत्नी श्री विनोद कुमार जैन (शाखा अध्यक्ष) के द्वारा किया गया। जिसके बाद सरस्वती माता को माल्यार्पण श्रीमती ममता जैन पत्नी श्री देवेश जैन (उ.प्र. संगठन मंत्री) द्वारा किया गया। फिर सरस्वती माता दीप प्रज्ज्वलित श्रीमती रूबी जैन पत्नी श्री पंकज जैन अछनेरा द्वारा हुआ। सिद्धि जैन पुत्री श्रीमती पूनम जैन (अध्यक्ष) ने जो सरस्वती मां बनी थी वह सभी को माता के रूप में बहुत पसंद आई। सभी महिला सदस्य द्वारा 'जिसमें जिसकी टोपी जिसका सर' नाम का

खेल खेला गया। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा मनोरंजक नाटक किए गए।

महिला शाखा अर्थमंत्री मधु जैन द्वारा सभी को आने वाले लोकसभा चुनावों में वोट देने अपील की गई। महिला मंडल की शाखा अध्यक्ष पूनम जैन द्वारा सभी को व्हाट्सएप के माध्यम से सभी को कार्यसूची भेजने का निवेदन किया। पूर्व मंत्री सुनील कुमार जैन (मास्टर साहब) ने समाज में बढ़ रही कुरितियों से दूर रहने पर मार्गदर्शन दिया। बसंत पंचमी को लेकर माने जाने वाले चौबीस तीर्थंकर के बारे में भी वर्णन किया।

श्री शाखा अध्यक्ष विनोद कुमार जैन ने महिला मंडल को उत्साह पूर्वक संबोधन करते हुए महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता में महिलाओं और बच्चों द्वारा भागीदारी की गई, जिसमें विजेता सूची अनुसार प्रथम पुरस्कार श्रीमती भूमि जैन पत्नी श्री पंकज जैन, भावना जैन पत्नी श्री विशाल जैन को प्राप्त हुआ।

कुशल संचालन पूर्व मंत्री श्री सुनील कुमार जैन और शाखा मंत्री श्री संजीव जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में देवेश जैन, सुभाषचंद जैन, सतीश चंद्र जैन, जगदीश प्रसाद जैन, संतोष कुमार जैन, सुरेशचंद जैन, सुनील जैन, निर्मल कुमार जैन, विजय कुमार जैन, राकेश जैन, देवेंद्र जैन एवं महिला मंडल में अध्यक्ष पूनम जैन, अर्थमंत्री मधु जैन, रीता जैन, निर्मला जैन, ममता जैन, रेखा जैन, अर्चना जैन, मिथलेश जैन, प्रीति जैन, राखी जैन, रूबी जैन, सुषमा जैन एवं 26 ग्रामों के पुरुष और महिला वर्ग उपस्थित रहे।

अछनेरा समाज ने सभी का उत्साह और आनंद पूर्वक स्वागत किया। अंत में सभी आमंत्रकों के साथ वात्सल्य भोज का आनंद लिया एवं कार्यक्रम का अंत करते हुए अध्यक्ष श्री विनोद कुमार जैन ने सभी को शुभकामनाएं और धन्यवाद दिया।

शाखा कोटा

कोटा शाखा द्वारा दि. 26.1.2024 को 75वां गणतंत्र दिवस श्री पल्लीवाल जैन भवन दादावाड़ी कोटा में धूमधाम से मनाया गया। शाखा अध्यक्ष श्री पदमचंद जैन द्वारा झंडारोहण किया गया तथा राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करते हुए शाखा मंत्री श्री प्रदीप कुमार जैन, श्री विनय कुमार जैन, श्री सुभाष चंद्र जैन, श्री अशोक कुमार जैन, श्री राजेंद्र कुमार जैन, अन्य सदस्य एवं बच्चों द्वारा सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत का गायन किया गया तथा भारत माता की जय का उद्घोष किया गया।

शाखा अध्यक्ष ने गणतंत्र दिवस की बधाई दी और बताया कि देश को स्वतंत्रता दिलाने में हमारे देश के सपूतों एवं क्रांतिकारीयों ने अंग्रेजों की यातनाऐं सहन की तथा प्राणों का बलिदान दिया। उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। आजादी के पश्चात भारत के संविधान का निर्माण किया गया तथा 26 जनवरी 1950 इसे लागू किया गया। 26 जनवरी का दिन गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। कोटा शाखा के केंद्रीय प्रतिनिधि श्री महेंद्र कुमार जैन का सहयोग हमेशा रहता है। अंत में सभी सदस्यों ने परस्पर गणतंत्र दिवस की बधाई दी तथा अल्पााहार किया एवं 26 जनवरी का मीठी नुकती का प्रसाद वितरण किया गया तथा कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका मासिक

दी रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर-सेंट्रल रुल्स-1956 अन्वये
श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका मासिक पत्रिका की जानकारी, फार्म नं. 4
(देखें रुल नं. 8)

1. प्रकाशक का स्थान	:	86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
2. प्रकाशन की सामयिकता	:	मासिक हर माह की 25 तारीख
3. मुद्रक का नाम	:	गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
4. प्रकाशक का नाम	:	चन्द्रशेखर जैन 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
5. संपादक का नाम	:	प्रकाश चन्द जैन 78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार 'बी', गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
6. मालिक का नाम	:	अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.)

मैं चन्द्रशेखर जैन घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरी जानकारी के अनुसार पूरी तरह से सही है।

25.02.2024 *चन्द्रशेखर जैन*

शाखा अजमेर

अ.भा.प. जैन महासभा की अजमेर शाखा द्वारा अमृत महोत्सव-2024 के अंतर्गत दि. 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया। यह कार्यक्रम श्री पल्लीवाल दिगंबर जैन मंदिर, पाल बीछ्ला की छत पर मनाया गया । पूरी छत को तिरंगे गुब्बारे, तिरंगी झालरों एवं तिरंगी झंडियों से बहुत ही खूबसूरत तरीके से सजाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से किया गया। ध्वजारोहण मुख्य अतिथि अजमेर पल्लीवाल समाज गौरव, आर.एस.एस. के नगर संघ संचालक श्री सुनील दत्त जैन द्वारा अजमेर शाखा कार्यकारिणी एवं मंदिर कार्यकारिणी सदस्यों के साथ किया गया। नवकार महिला मंडल एवं संस्कार नवयुवती मंडल द्वारा राष्ट्रगीत गाया गया।

इस कार्यक्रम में एक नन्ही बालिका सुहानी जैन को भारत माता बनाया जो कि सभी के आकर्षण का केंद्र थी और सभी ने भारत माता के साथ अपनी फोटो खिंचवा कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया। संस्कार नवयुवती मंडल ने देशभक्ति गीत, कविताएं एवं नृत्य प्रस्तुत किए। इनका उत्साह देखकर समाज की कुछ महिलाओं, नवयुवकों, नवयुवतियों एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा भी राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीत, नृत्य एवं कविताएं प्रस्तुत की गई। पूरा वातावरण राष्ट्रभक्तिमय हो गया। समाज के कुछ वयोवृद्ध सदस्य जो कि भारतवर्ष के स्वतंत्रता के साक्षी थे, उन्हें अजमेर शाखा द्वारा शॉल, माला एवं प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया। कुछ वयोवृद्ध सदस्यों ने स्वतंत्रता पूर्व के एवं स्वतंत्रता प्राप्ति के समय के अपने संस्मरण भी सभी को सुनाए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सुनील दत्त जी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा राष्ट्र स्वतंत्र जरूर हो गया है लेकिन ये स्वतंत्रता तब तक अधूरी है जब तक कि भारत वापस अपने अखंड स्वरूप को नहीं पा लेता, हम सब को वापस वही प्राचीन अखंड भारत बनाने का प्रयास निरंतर करना चाहिए एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर अपने धर्म का पालन भली भांति करना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में अजमेर शाखा अध्यक्ष श्री भोजराज जैन एवं मंत्री श्री प्रदीप जैन ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों को मिष्ठान के पैकेट अजमेर शाखा की ओर से भेंट किए गए।

****

अ.भा.प. जैन महासभा शाखा अजमेर द्वारा बसंत पंचमी पर्व रविवार 11 फरवरी 2024 को बड़े ही धूमधाम साथ मनाया गया। अजमेर शाखा की महिला मंडल द्वारा कार्यक्रम स्थल को बड़े मनभावन तरीके से सजाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में सर्वप्रथम महिला मंडल की वरिष्ठ सदस्याओं द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया गया। तत्पश्चात मंगलाचरण नृत्य के रुप में श्रीमती ममता जैन द्वारा माता सरस्वती की उपासना की। सरस्वती वंदना के पश्चात सभी ने अल्पाहार एवं चाय, उकाली का आनंद लिया। तत्पश्चात महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मीनू जैन एवं मंत्री श्रीमती अनोखा जैन के निर्देशन में उपस्थित सभी महिलाओं ने बड़े ही आकर्षक, सूझबूझ से भरे, ज्ञानवर्धक एवं हंसी-मजाक से भरपूर गेम्स खेले। बीच-बीच में मस्ती मजाक से भरपूर पहेलियां एवं प्रश्न भी पूछे गए। सभी गेम्स की विजेताओं को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण के पश्चात सभी के भोजन की व्यवस्था की गई थी, सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया एवं भोजन के दौरान ही अमृत महोत्सव के अंतर्गत आगामी कार्यक्रम होली मिलन पर चर्चा भी की एवं उसकी रुपरेखा पर विचार विमर्श भी किया। बसंत उत्सव का कार्यक्रम लगभग पांच घंटे तक चला, जिसमें सभी को आनंद एवं उल्लास की अनुभूति हुई।

कार्यक्रम के अंत में अजमेर शाखा महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मीनू जैन एवं मंत्री श्रीमती अनोखा जैन ने सभी का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया एवं आगामी कार्यक्रमों में भी इसी प्रकार उत्साह पूर्वक हिस्सा लेने का आग्रह किया।

शाखा फिरोजाबाद

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा, शाखा फिरोजाबाद द्वारा भगवान महावीर स्वामी का 2550वां निर्वाण वर्ष एवं महासभा का 55वां वर्ष आरम्भ होने पर अमृत महोत्सव-2024 के रूप में मनाया गया। राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को सेठ छदामीलाल मन्दिर जी में विभिन्न कार्यक्रम किये गये।

राष्ट्रीय ध्वजारोहण श्री महावीर जैन (मुन्नाबाबू), जैन ध्वजारोहण श्री विनोद कुमार जैन (मिलेनियम) द्वारा किया गया। एक परेड का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी जैन पाठशाला से 15 बच्चे व 2 शिक्षक बुलाये गये, जिसमें 4 पाठशालाओं ने भाग लिया। परेड को हरी झण्डी श्री सुबोध जैन द्वारा दिखाई गयी, मंच का उद्‌घाटन श्री सम्भव प्रकाश जैन द्वारा किया गया, चित्र अनावरणकर्ता श्री विनोद कुमार जैन, दीप प्रज्वलनकर्ता श्री राहुल जैन (छतारी)। सभी पाठशालाओं के बच्चों ने मंच पर नृत्य व भजन गाये, सभी बच्चों को पुरस्कार वितरण किये गये व शाखाओं को प्रशस्ति पत्र श्री सुधीर कुमार जैन (ठेकेदार) द्वारा दिये गये। भोजन व्यवस्था जौली जैन (एस.बी.आई.) द्वारा की गयी। कार्यक्रम में लगभग 300 लोगों ने शिरकत की और आनन्द का अनुभव लिया। स्वागत में शाखा के अध्यक्ष श्री संजीव जैन, मंत्री श्री राजेश जैन, उपाध्यक्ष श्री राजीव जैन, कोषाध्यक्ष श्री संतोष जैन, मीडिया प्रभारी श्री अनुराग जैन, ऑडीटर श्री प्रिंस जैन एवं महिला मण्डल अध्यक्ष पायल जैन, मंत्री नीना जैन, उपाध्यक्ष रितु जैन, कोषाध्यक्ष अनीता जैन एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं संरक्षक मण्डल थे।

****

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महिला मंडल शाखा फिरोजाबाद द्वारा बसंत पंचमी का प्रोग्राम 11 फरवरी को आदिनाथ जैन विद्यालय छोटी छापेटी में मनाया गया। अध्यक्ष पायल जैन, महामंत्री नीना जैन, उपाध्यक्ष रितु जैन, कोषाध्यक्ष अनीता जैन ने

प्रोग्राम का सफल संचालन किया। सरस्वती माता की फोटो पर माला और कुंदकुंद आचार्य की फोटो के सामने दीपक जला कर कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। महिलाओं की भजन प्रतियोगिता हुई जिसमें लीना जैन प्रथम रहीं। चुनाव में वोट डालने को लेकर महिलाओं को नाटक द्वारा जागरुक किया, साथ ही यह भी अनुरोध किया कि पुलवामा में 14 फरवरी, 2019 को शहीद हुए जवानों को दीपक जला कर श्रद्धांजलि दें।

शाखा महवा

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा शाखा महवा ने अमृत स्थापना एवं 2550वां महावीर निर्वाण वर्ष महोत्सव-2024 के तहत दिनांक 26 जनवरी 2024 को गणतन्त्र दिवस पर झण्डारोहण किया। शाखा अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जैन एवं शाखा मंत्री श्री विनोद जैन ने बताया कि समाज के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में झण्डारोहण किया गया।

शोक संवेदना

श्री हरीश चंद्र जी जैन सुपुत्र स्व. श्री मदनलाल जी जैन, निवासी- 95, हस्ति विहार कॉलोनी, दौराई अंडर पास के समीप, अजमेर का दिनांक 16.02.2024 को आकस्मिक निधन हो गया है। आप अजमेर शाखा की वर्तमान कार्यकारिणी में सदस्य के पद पर कार्यरत थे एवं अजमेर शाखा की विगत कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद को सुशोभित करते हुए महासभा की सभी क्रियाओं का प्रचार एवं प्रसार उत्कृष्ट तरीके से किया।

श्रीमती सावित्री जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री ज्ञानचंद जी जैन (अलीपुर वाले) का स्वर्गवास दिनांक 16.02.2024 को हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक एवं सरल स्वभाव की महिला थीं।

श्रीमती कमला देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री भगवान सहाय जी जैन (दांतिया वाले), 50-ख श्रीराम नगर विस्तार, खिरणी फाटक, जयपुर का दिनांक 27.01.2024 को देवलोकगमन हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक एवं सरल स्वभाव की महिला थीं।

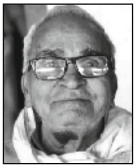

श्री जगदीश प्रसाद जी जैन, मारूति स्टेट आगरा का दिनांक 12.02.2024 को आकस्मिक निधन हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

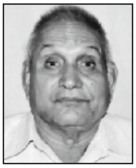

श्री सुभाष चन्द जी जैन सुपुत्र स्व. श्री रमन लाल जी जैन (टाइप वाले), आर्य समाज रोड, भरतपुर का निधन दिनांक 06.01.2024 को हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

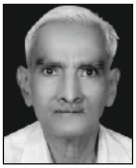

श्री जिनेश कुमार जी जैन एडवोकेट, अलवर का दिनांक 07.02.2024 को आकस्मिक निधन हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्री शिवचरण लाल जी जैन (मण्डावर वाले), शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर का दिनांक 04.02.2024 को आकस्मिक निधन हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्रीमती कुसुमलता जी जैन धर्मपत्नी श्री रामेश्वर प्रसाद जैन (ढहरा वाले) वर्धमान नगर, हिंडौन सिटी आकस्मिक निधन दिनांक 19.02.2024 को हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक एवं सरल स्वभाव की महिला थीं।

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा वीर प्रभु से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना करते हुए शोक संवेदना प्रकट करती है।

पुत्रों ने किए अपने पिता के नेत्रदान

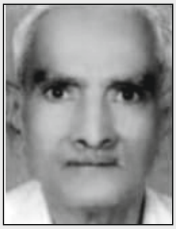

श्री जिनेश कुमार जैन एडवोकेट (लाहौर वाले), अपना घर शालीमार एक्सटेंशन, फ्लैट नंबर 313, टावर नं. 3 के आकस्मिक निधन के उपरान्त परिवार की सहमति के बाद उनके पुत्र श्री प्रदीप जैन ने अपने पिता के नेत्रदान के लिए पंजाबी वेलफेयर सोसायटी को फोन करके नेत्रदान के लिए कहा।

उनकी सूचना पर डॉ. श्रॉफ हॉस्पिटल आई डोनेशन सेंटर की डॉक्टर की टीम ने उनके निवास पर पहुंच कर आई डोनेशन की प्रक्रिया को पूरा किया।

नारायण सेवा संस्थान के अलवर शाखा अध्यक्ष श्री आर.एस. वर्मा ने बताया कि श्री प्रदीप जैन, श्री प्रमोद जैन एडवोकेट एवं श्री विनीत जैन ने अपने पिता के नेत्रदान कर बहुत पुण्य का काम किया है। इस नेत्रदान से किन्ही दो नेत्रहीनों की आंखों को रोशनी मिलने से उनकी जिंदगी संवर जाएगी।

महासभा सहायता

★ **भाईजी परिवार,** नौगांवा, अलवर महासभा सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 8223)*

★ **श्री सुरेन्द्र कुमार जी जैन जितेन्द्र कुमार जी जैन** (सैंथली वाले), 255 स्कीम नं. 1, अलवर ने महासभा सहायता हेतु रु. 500/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 8227)*

★ **श्री मनोज कुमार जी, मनीष कुमार जी, अजय जी जैन**, लालसोट, दौसा (राज.) ने महासभा सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 8228)*

श्री महावीराय नमः

26वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन

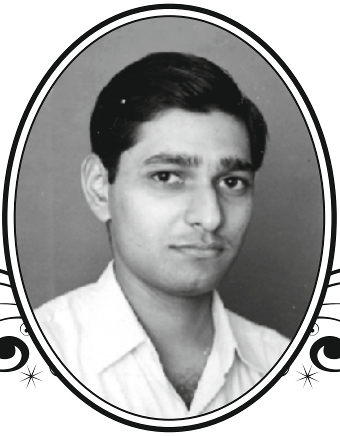

स्व. श्री आलोक जैन

जन्म दिनांक : 01.12.1973

पुण्य तिथि : 10.02.1998

हम सभी परिवारजन आपको शत् शत् नमन एवं स्मरण करते हुए अश्रुपुरित श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

ज्ञानचन्द जैन (पिता)
पूर्व अर्थमंत्री, अ.भा. पल्लीवाल जैन महासभा

श्रीमती विजया जैन (माता)

बहिन - बहनोई :
ऋतु जैन - शिरीष जैन
अम्बिका जैन - मनीष कुमार जैन

ताऊजी :
खैराती लाल जैन,
आयकर अधिकारी (रिटायर्ड)
धर्मचन्द जैन
हरिश्चन्द जैन (मौजपुर वाले)

भानजे, भानजी :
आशिमा जैन, यशोवर्धन जैन, मीमांसा जैन

: निवास :
ए-12, श्री सुन्दर सिंह भण्डारी नगर, स्वेज फार्म, हेम मार्ग, न्यू सांगानेर रोड,
सोडाला, जयपुर, फोन : 0141-2297745, मो. : 9414057287

(CR D-3120)

Internationaly recognised

विज्ञान को सरल भाषा में जन जन तक पहुंचाने का अनूठा प्रयास
अपने बच्चों को विज्ञान की नवीनतम जानकारी से रखें अपडेट

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर 28 फरवरी, 2023 को एक और राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया, भारत में इसे विज्ञान संचार का सर्वोच्च पुरस्कार माना जाता है

दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक गरिमापूर्ण समारोह में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के सम्पादक तरुण कुमार जैन को उत्कृष्ट विज्ञान संचार के लिए 2 लाख रु का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया, यह पुरस्कार उन्हें दूसरी बार प्रदान किया गया है।

यह सम्मान भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह के साथ भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ ए के सूद, पूर्व सलाहकार डॉ के विजयराघवन, विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ एस चंद्रशेखर और राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ एम मोहंती ने प्रदान किया। इस अवसर पर देश के कई वरिष्ठ वैज्ञानिक, अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सबस्क्राइब करें

नि:शुल्क	हार्डकोपी अपने घर मंगाने के लिए	
डिजिटली पढ़ने के लिए	सालाना	आजीवन
टेलीग्राम के इस लिंक पर जाकर	सब्स्क्रिप्शन दर	सब्स्क्रिप्शन दर
जॉइन करें	480 रु मात्र	7200 रु मात्र

सबस्क्राइब करने के लिए QR कोड स्केन करें और इस नम्बर 9414052453 पर वाट्सएप करें

~~480~~ 450

~~7200~~ 6000

विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट का लाभ उठाएं

एक मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर चर्चा के क्षण

15 अगस्त 2016 को मुख्यमंत्री ने स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया

16 जुलाई, 2019 को कृषि विज्ञान के शोधपरक लेखों के लिए दिल्ली में ICAR (कृषि मंत्रालय) का सम्मान

श्री महावीराय नमः

दशम पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. शिखर चन्द जैन (पल्लीवाल)
(स्वर्गवास : 20 फरवरी 2014)

आपका प्रेरणामयं जीवन हमारे लिये सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा। हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए आपको शत्–शत् नमन करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजली अर्पित करते है।

श्रद्धावनत

धर्मपत्नी
मंजु देवी जैन

पुत्र–पुत्रवधु :
गुंजन जैन–गरिमा जैन
मधुप जैन–शिवानी जैन

पौत्र–पौत्री
पार्थ, पलाक्षी
भूमिक, चेरिका

निवास
शिखर विला मकान नं. 8, गोवर्धन कॉलोनी,
नृसिंहपुरा, अजमेर रोड ब्यावर
9269811470, 9460321648, 9251440432

॥ श्री महावीराय नमः ॥

प्रथम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री सतीश कुमार जैन

(15.7.1960 – 22.02.2023)

सुपुत्र स्व. श्री रमेश चंद जी जैन (परवैणी वाले)
हम सभी परिवारजन आपके प्रेरणादायक चरित्र और जीवन का स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक श्रृद्धांजलि अर्पित करते हैं।

याद आपकी आती रहेगी, प्रेरणा सन्मार्ग की जगाती रहेगी।
शरीर से नहीं हो साथ भले आप, छवि सामने सदा जगमगाती रहेगी॥

- श्रद्धावनत् -

श्रीमती अनीता जैन *(धर्मपत्नी)*
मुरारी लाल जैन *(भाई)*
अंकित जैन-निधि जैन, अंकुर जैन-प्रियांशी जैन *(पुत्र-पुत्रवधु)*
उमेश जैन, हितेश जैन, योगेश जैन *(भतीजे)*
आरवी, वंश *(पौत्र-पौत्री)*
एवं समस्त जैन लैदोडिया परिवार परवैणी वाले।

निवास :-
3/633, काला कुआं, अलवर
मो. 9887369510, 9887264115

प्रतिष्ठान :-
निधि डिजाईनिंग एण्ड प्रिंटिंग हाऊस
रेडफोक्स होटल के पास, मालवीय नगर, अलवर (राज.)
मो.: 9887369510, 7014727714

पत्रिका विज्ञापन सहयोग राशि

** संशोधित दरें दिनांक 25.01.2022 से लागू*

	वार्षिक	मासिक
कवर पृष्ठ अंतिम (मल्टीकलर)	31,000/-	
कवर पृष्ठ द्वितीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कवर पृष्ठ तृतीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कलर पृष्ठ (मल्टीकलर)	21,000/-	3,000/-
पुण्य स्मृति आधा पृष्ठ श्वेत श्याम	10,000/-	1,000/-
पुण्य स्मृति पूरा पृष्ठ श्वेत श्याम	15,000/-	1,500/-

पत्रिका सदस्यता

पत्रिका वार्षिक शुल्क	50/-	5/-
पत्रिका आजीवन सदस्य	500/-	
पत्रिका संरक्षक सदस्य	11,000/-	
पत्रिका हितैशी सदस्य	5100/-	

सूचना

(अ) रु. 500/- से कम के आर्थिक सहयोग राशि वालों के नाम पत्रिका में प्रकाशित नहीं किये जायेंगे।

(ब) जो सदस्य अपनी पत्रिका कोरियर द्वारा प्राप्त करना चाहते हैं वह रु. 50/- प्रति माह के हिसाब से एक वर्ष का शुल्क रु. 600/- श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका को भेजें।

- *पत्रिका हेतु प्रकाशनार्थ सामग्री पत्रिका संयोजक/सम्पादक के पास ही प्रेषित करें, जो प्रत्येक माह की 15 तारीख तक प्राप्त होनी चाहिये।*
- *पत्रिका हेतु सदस्यता शुल्क/विशेष सहायता संयोजक के पास प्रेषित करें।*
- *पत्रिका में स्थान उपलब्ध होने पर ही विज्ञापन का प्रकाशन किया जायेगा।*
- *गत वर्ष के रंगीन विज्ञापनदाताओं की बकाया विज्ञापन सहयोग राशि शीघ्र संयोजक के पास भिजवाने का कष्ट करें।*

आप पत्रिका की भुगतान राशि 'श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका' के नाम से या ऑनलाईन खाते में भी भेज सकते हैं, विवरण निम्न है :-

"SHRI PALLIWAL JAIN PATRIKA"
Bank Name : **BANK OF BARODA** • Branch : **DURGAPURA, JAIPUR**
A/c No.: **38260100005783** • IFSC Code : **BARB0DURJAI**

पत्रिका राशि ऑनलाईन जमा कराने के बाद संयोजक को सूचना देवें एवं ट्रांसफर राशि का स्क्रीन शॉट भी भेजें, इसके अभाव में जमा राशि का समायोजन किया जाना संभव नहीं होगा।

चन्द्रशेखर जैन, संयोजक पत्रिका
मो.: 9829134926

मान्यवर,

सभी साधर्मी बन्धुओं को सुचित किया जाता है कि अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा को विधवा सहायता एवं अन्य सहयोग प्रदान करने हेतु राशि चैक, नकद या ऑनलाईन महासभा के खाते में जमा करवाई जा सकती है, जिसका विवरण निम्न है :-

"AKHIL BHARTIYA PALLIWAL JAIN MAHASABHA"
Bank Name : **STATE BANK OF INDIA** • Branch : **C-SCHEME, JAIPUR**
A/c No.: **51003656062** • IFSC Code : **SBIN0031361**

राशि जमा कराने के पश्चात अर्थमंत्री को अवश्य सूचित करें, जिससे जमा की रसीद प्रेषित की जा सके।

भागचन्द जैन, अर्थमंत्री महासभा
मो.: 9828910628

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **चित्राक्षी जैन** पुत्री श्री पदमचंद जैन, जन्मतिथि 15.09.1992 (प्रात: 3:15 बजे, अलवर) कद 5'-6'', शिक्षा- एम.टेक. (सी.एस.), गौत्र : स्वयं- अठवरसिया, मामा- चौधरी, सम्पर्क : 2क-292, शिवाजी पार्क, अलवर, मो.: 9413048598 *(फरवरी)*

★ **Kratika Jain** D/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 14.10.1997 (at 06:40AM, Agra), Height 5'-3", Education: MA (Eng.), CCC, O'Level, D.El.Ed., CTET/UPTET - Primary/Junior Qualified, Persuing B. Ed. and Preparing for Govt. Job, Gotra : Self- Baderia, Mama- Bhadarwasi, Contact : 9456402442, 7055191567, Email : rkjain1665@gmail.com *(Dec.)*

★ **Megha Jain** D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 02.04.1996 (at 02:20 pm, Beawar), Fair Complexion, Height 5'-3", Education : B.Tech. (CS), Occupation- Working in IT Company (Techuz InfoWeb Pvt. Ltd., Ahmedabad), Package- Rs. 3.5 Lakh, Contact : Saras Dugdh Dairy, Raniwara, Dist. Jalore, Mob.: 9460960622, 9001831835 *(Dec.)*

★ **Harshita Jain** (Manglik) D/o Sh. Ashok Jain, DoB 03.06.1995 (at 12:30 pm, Kota), Height 5'-1", Education : B.Com., M.Com., Fashion Designing, Gotra : Self- Kudal, Mama- Badwasia, Contact : 9414596857, 9462762900, Email : harshijain880@gmail.com *(Dec.)*

★ **Sandhya Jain** (Manglik) D/o Sh. Manoj Kumar Jain, DoB 28.11.1997 (at 06:55 pm, Alwar), Height- 5'-2", Education- B.Tech (ECE), M.Tech. (VLSI), Profession- Duty Logistics Officer in Genpact India Pvt. Ltd. Jaipur, Gotra : Self- Rajeshwari, Mama- Kher, Contact : Near Jain Temple, Ramgarh, Dist. Alwar-301026, Mob.: 9413066719 *(Dec.)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh. Uttam Chand Jain, DoB 21.01.1996 (at 12:30am, Morena), Height- 5Ft., Fair Complexion, Education- Chartered Accountant (CAT), B.Ccom., Occupation- Deputy Manager In ICICI Bank, Gwalior, Gotra : Self- Banjaare, Mama- Chandpuria, Contact : AB Road, Banmore, Distt. Morena (M.P.), Mob.: 9691454590, 7000016910 *(Jan.)*

★ **Astha Jain** D/o Shri Bharat Bhushan Jain, DoB 24.12.1995 (at 02:35 PM, Palam, New Delhi), Height- 5'-3", Fair Complexion, Education- B.A., Profession- Working as Stenographer in National Highways Authority of India, Gotra : Self- Maleswari, Mama- Barolia, Contact : H.No. WZ-246, Palam Village, New Delhi-110045, Mob.: 9899012731, 9013454299 *(Jan.)*

★ **Meenu Jain** (Charu) D/o Sh. Devesh KUmar Jain, DoB 11.05.2000 (at 09:00 AM, Agra), Height- 5'-2", Fair Complexion, Education- 12th, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Behatriya, Contact : Vill. & Post Main Market Midhakur, Agra, Mob.: 8979082704, 7037557836 *(Jan.)*

★ **Shailina Jain** (Anshik Manglik) D/o Late Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 23.01.1999 (at 9:45 PM, Alwar), Fair Complexion, Height 5Ft., Education- B.Tech. (Computer Science), Job- Data Analyst in Axtria (Gurgoan), Gotra : Self- Kher, Mama- Choudhary, Contact : Smt. Sunanda Jain, 197 Nehru Nagar 200 Foot Road, Alwar, Mob.: 9571556869 *(Jan.)*

★ **Ashi Jain** D/o Sh. Ajit Kumar Jain, DoB 16.01.1998 (at 11:45 am, Agra), Height 5Ft.,Education- B.Desgn., Occupation- Junior Footwear Merchandiser (Dlords Footwear and Fashion Pvt. Ltd., Gotra : Self- Januthriya, Mama- Barbasiya, Contact : 21/1049, Indira Nagar, Lucknow, Mob.: 9412850182, 9457465002 *(Feb.)*

★ **Arti Jain** D/o Sh. Bhagchand Jain, DoB 22.06.1998 (at 9:05 am, Kota), Height 5'-3", Education- B.Tech. (Civil), Gotra : Self- Nageshwariya, Mama- Badariya, Contact: 4-F-32, Opp. Nasiya Ji Jain Mandir, Dadbari Extn., Kota, Mob.: 9414225917, 9414317362 *(Feb.)*

★ **Silky Jain** D/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 16.09.1997 (at 1:59 pm, Alwar), Height 5'-1", Education- B.Tech., Presently Preparing for Competitive Exams, Gotra : Self- Lohkirodiya, Mama- Salawadia, Contact : 126, Scheme No. 4, Alwar, Mob.: 8949058577, 9413436435 *(Feb.)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **शोभित जैन** पुत्र श्री राकेश कुमार जैन, जन्मतिथि 25.10.1997 (रात्रि 12:35 बजे, मंडावर जिला दौसा), शिक्षा बी.कॉम., कार्य- स्वयं का होलसेल व्यवसाय, आय- 6 अंकों में मासिक, गोत्र : स्वयं- कोटिया, मामा- वोरांग डांगिया, सम्पर्क : 77/167, अरावली मार्ग, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर (राज.), मो.: 9694575758, 9414067972 *(जनवरी)*

★ **ऋषभ जैन** पुत्र श्री प्रदीप कुमार जैन, जन्मतिथि 13.05.1995 (प्रात: 6:00 बजे), कद- 5'-5'', शिक्षा- बी.कॉम., पी.जी.डी.एम. फाइनेंस, जॉब- एरिया क्रेडिट मैनेजर लार्सन एंड टुब्रो फाइनेंस जोधपुर, आय 12 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं-

जनूथरिया, मामा- चौरबम्बार, सम्पर्क : 9 भजन नगर, अजमेर रोड, ब्यावर, मो.: 9460312001, 9414866607 *(फरवरी)*

★ **अंकुर जैन** पुत्र श्री गोविन्द शरण जैन, जन्मतिथि 26.07.1989, शिक्षा- एम.ए., बी.एड., जॉब- स्कूल टीचर, कद- 5'-7'', गौत्र : स्वयं- भतरीया, मामा- पावटिया, सम्पर्क : हिंडौन सिटी, मो.: 9352409431, 7737980561 *(फरवरी)*

★ **अभिषेक जैन** पुत्र श्री गोविन्द शरण जैन, जन्मतिथि 9.5.1990, कद- 5'-7'', शिक्षा- एम.कॉम., एम.बी.ए., जॉब- प्राइवेट नौकरी (कोटा), सैलरी 40000, गौत्र : स्वयं- भतरीया, मामा- पावटिया, सम्पर्क : हिंडौन सिटी, मो.: 9352409431, 7737980561 *(फरवरी)*

★ **सीए शुभम जैन** पुत्र श्री सुरेश चन्द्र जैन, जन्मतिथि 16.10.1994 (सायं 5.15, जयपुर), कद- 5'-7'', शिक्षा- बी.कॉम., एम.कॉम., एल.एल.बी., सीए, भारत सरकार के मुम्बई (SPMCIL) में सहायक प्रबन्धक (वित्त एवं लेखा) के पद पर कार्यरत, गौत्र : स्वयं- लेदोडिया, मामा- वैधवैराष्टक, सम्पर्क : ए-49, सरस्वती नगर, मालवीय नगर, से. 6 के पास, जयपुर, मो.: 9829205321 *(फरवरी)*

★ **Aashish Jain** (Manglik) S/o Sh. Gopal Kumar Jain (Baragma Wala), DoB 25.11.1993 (at 4:30 PM, Jaipur), Height 5'-5", Education- M.Com., B.Com., Job- Senior Accounts Manager (Sparrow Softech Pvt. Ltd.), Jaipur Gotra : Self- Bhoradangiya, Mama- Badariya, Contact : Plot. No. 5, Pream Nagar Vistar, Mahi Path, Gujar ki Thadi, Jaipur, Mob.: 9214028279 *(Dec.)*

★ **Alok Jain** S/o Sh. Vinod Prakash Jain, DoB 30.06.1983, Height 5'-9", Education- B.Com., Occupation- Handicraft Business, Income 20 LPA, Gotra : Self- Chaudhary, Mama- Chorbambar, Contact : E-617, Vaishali Nagar, Jaipur, Mob.: 9461778345 *(Dec.)*

★ **Aditya Jain** S/o Sh. Uttam Jain, DoB 12.10.90 (at 11:20 PM, Alwar), Height- 5'-6", Education- M.Tech. (BITS-Pilani), Occupation- Technical Advisor/Lead, Watch Guard Technologies- Noida, Work from home at Jaipur, Package 36 LPA, Gotra : Self- Kashmeria, Mama-Choudhary, Contact : Janakpuri-II, Imli Phatak, Jaipur, Mob.: 9414405532 *(Dec.)*

★ **Sohil Jain** (Manglik) S/o Sh. Yogesh Kumar Jain, DoB 18.06.1992 (at 12:25 PM, Bharatpur), Height 5'-10", Education- B.Com, MBA (Finance), Occupation- Senior Commercial Officer in MNC, Income 6 LPA, Gotra : Self- Muda, Mama- Chaurbabar, Contact : WZ-169, B/2 Lajwanti Garden, New Delhi-110046, Mob.: 9870111728 *(Dec.)*

★ **Dr. Ashish Jain** S/o Sh. Harendra Kumar Jain, DoB 01.01.1995 (at Achhnera), Height 5'-5", Fair Complexion, Education- BDS, MIDA, Masters in Implantalogy, Occupation- Running Shakuntala Dental Clinic & Implant Center in Achhnera, Agra-283101, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Rajouria, Contact : 1438, Mohan Girara, Achhnera, Agra, Mob.: 9410205323, 7906973116 *(Dec.)*

★ **Ayush Jain** S/o Sh. Gopal Jain, DoB 30.09.1992 (at 5:28pm, Jaipur), Height- 5'-8", Education- B.Tech., M.Tech (ME), Govt. Job- Accountant at GM Office, Railway, Jaipur, Gotra : Self- Bhamariya, Mama- Bhadkolia, Contact : 432, Rajni Vihar, Ajmer Road, Heerapura, Near 200ft. Bypass, Jaipur, Mob.: 9413042927, 9460474389 *(Dec.)*

★ **Umang Jain** S/o Sh. Sandeep Kumar Jain, DoB 13.02.1995, Height- 5'-10", Fair Complexion, Education- B.Tech (ECE) from BIT Mesra, Ranchi, Job- Software Engineer at MNC, Package- 13 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Chaudhary, Contact : Plot No. 210, Shri Vrindavan Apartment, Street No. 8, Moti Nagar, Jaipur-302021, Mob.: 9001195231, 9784686820, Email : skjain190@gmail.com *(Dec.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Upendra Kumar Jain, DoB 01.03.1995 (at 06: 49 am, Alwar), Height 5'-7", Fair Complexion, Education- B.Com., MBA (Finance), Job- At Present Working in Axis Bank in Noida as Deputy Manager, Package- 7 LPA, Gotra : Self- Chodbambar, Mama- Rajoriya, Contact : C-408, Manglam Residency, Samola Chowk, Alwar-301001, Mob.: 6350158479, 8854020347 *(Dec.)*

★ **Jeetendra Jain** S/o Sh. Susheel Kumar Jain, DoB 28.07.1993 (at 2:20 pm, Hindaun City), Height 5'-7", Education- B .Com., M.Com., Profession- Jain E-Mitra & Photo State, Jaipur, Income- 4.5 LPA, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Choudhary, Contact : Jain Electrical Store, New Mandi, Hindaun City-322230, Mob.: 9468841953, 9799678944, 9460628173 *(Dec.)*

★ **Abhinav Jain** S/o Sh. Sholeshwar Jain, DoB 19.03.1994 (at 12:13 PM, Alwar), Fair Complexion, Height- 5'-7", Education- BBA, MBA, Work- Started Own Trading Business in 2018, Presently Working as Distributor for Nuvoco Vistas Corp Ltd., Duraguard Cement, Alwar, Gotra : Kashmiriya, Contact : K-1/6, Apna Ghar Shalimar Near Telco Circle Alwar-301001, Mob.: 9319125252, 9057400272, 9425125811 *(Dec.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Sumat Kumar Jain, DoB 23.11.1994 (at 1:45 AM, Bharatpur), Height- 5'-6", Fair Complexion, Education- B.Tech. (Chemical), Occupation- Senior Engineer in Nuberg Engg. Ltd., Noida (UP), Package- 10.5 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Pawatiya, Contact : 604, Orient Residency, Krishna Sagar, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9460738602 *(Jan.)*

★ **Kshitij Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 25.10.1989 (at 06:45 AM, Delhi), Height 5'-10", Education- MCA, Job- Working as CXM in an IT MNC - Noida, Salary- Rs. 29 LPA, Gotra : Self- Vairashtak, Mama- Januthariya, Contact : Flat No. 612, Tower C, Gaur Sports Wood, Sector 79, Noida, Mob.: 9871981382, 9650334767, Email : sjainchand@gmail.com *(Jan.)*

★ **Amit Kumar Jain** S/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 16.09.1996 (at 4:00 PM, Dausa), Height- 5'-6", Education- M.A., Occupation- Bussiness (Hotel & Guest House), Income-18 LPA, Gotra : Self- Kher, Mama- Nageshwariya, Contact : Mehandipur Balaji, Dist. Dausa (Raj.), Mob.: 9784761984, 8955011011 (Whatsapp), 9829428416 *(Jan.)*

★ **Laksh Jain** S/o Sh. V.K. Jain (Nowgaon Wale), DoB 05.09.1993 (at 1:07pm, Alwar), Height 5'-10", Education- B.Tech (NIT Nagpur), Currently Working with EXL (MNC) as Senior Manager- Analytics in Gurgaon, Gotra : Self- Aamiya, Mama- Bayania, Contact : 9167755866, 9820827871, Email :

vijay_257@yahoo.com *(Jan.)*

★ **Ayush Jain** S/o Sh. Gopal Jain, DoB 30.09.1992 (at 5:28pm, Jaipur), Height- 5'-8", Education- B.Tech., M.Tech. (ME), Job- Govt. Job Accountant, Railway, Post GM Office Jaipur, Gotra : Self- Bhamariya, Mama- Bhadkolia, Contact : 432, Rajni Vihar, Ajmer Road, Heerapura, Near 200ft. Bypass, Jaipur, Mob.: 9413042927, 9460474389 *(Jan.)*

★ **Amit Jain** (Mangalik) S/o Sh. Ajay Jain, DoB 22.03.1995 (at 03:58 AM, Delhi), Height 5'-8", Education- B.Tech., Occupation- Software Engineer in Cognizant (Noida), Package 13.5 LPA, Gotra : Self- Vairashtak, Mama- Mehtiya, Contact : Mayur Vihar, Delhi, Mob.: 8368394410, Email : ajayjain1961@gmail.com *(Jan.)*

★ **Palak Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 19.11.1991 (at 2:35 PM), Height- 5'-7", Education- B.Com, MBA, Service- Process Analyst in Tata Consaltancy Service, Gurgaon, Package- 5 LPA, Gotra : Self- Baderia, Mama- Barolia, Contact : House No. 1724, Sector 7, Avas Vikas Colony, Bodla, Agra-282007, Mob.: 9319179796, 9758010189 *(Jan.)*

★ **Rajat Jain** S/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 02.11.1992 (at 02:10PM, Mathura), Height- 5'-8", Fair Complexion, Education- B.Tech. (Computer Science), Occupation- Working in Disprz Gurugram (H.R.), Package- 6.60 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Maimuda, Contact : H.No. 133, Dalpat Street, Koyla Wali Gali, Holi Gate, Mathura, Mob.: 9058485772 *(Jan.)*

★ **Pawan Kumar Jain** S/o Sh. K.K. Jain, DoB 19.09.1994, Height- 5'-7", Education- Chartered Accountant, M.Com., Occupation- Deputy Manager in ICICI Bank Jaipur_RO, Package- 10.35 LPA, Gotra : Self- Daduriya, Mama- Nageshriya, Contact : Plot No. 14, Sky House, Dronpuri, Vaishali Nagar West, Jaipur, Mob.: 9461588831, 9024272579 *(Jan.)*

★ **Shobhit Jain** S/o Sh. Rakesh Jain, DoB 25.10.1997 (at 12:35AM, Mandawar, Dausa), Height- 5'-4", Fair Complexion, Education- B.Com., Occupation- Business, Earning- 6 digit, Gotra : Kotiya, Contact : 77/167, Arawali Marg, Shipra Path, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9694707058, 9414067972 *(Jan.)*

★ **Jayeshu Jain** S/o Sh. Suresh Chandra Jain**,** DoB 12.10.1995 (at 10:45pm, Midhakur, Agra), Height 5-'8", Fair Complexion, Education- Bachelor of Science in Mathematics, Master of Arts in Political Science, Occupation- Business, Gotra : Self- Sarang, Mama- Jaipatiya, Contact : Main Market, Midhakur, Agra, U.P.- 2831025, Mob.: 7983653357 *(Jan.)*

★ **Ankur Jain** (Vinod Jain) S/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 15.11.1991 (at 6:30 AM, Firozabad), Height- 177.8 cm., Fair Complexion, Education- B.Com, M.Com, LLB, Job- IT Support and Account in Army Hospital, Star Health and LIC Insurance Agent, Income- 6 LPA, Gotra : Self- Salawadiya, Mama- Mast Chaudhary, Contact : 361, Jain Nagar, Khera, Saiyaad Wali Gali, Firozabad (U.P.)-283203, Mob.: 9045730849, 9837639412, Email : jain_antesh1008@ rediffmail.com *(Jan.)*

★ **Nipurn Jain** (Manglik) S/o Sh. Sushil Kumar Jain, DoB 08.01.1994, Height- 5'-8", Fair Complexion, Education- MBA, Job- Bank of America (Gurugram), Gotra : Self- Janutharia, Mama- Bhatariea, Contact : Flat-403, Mangalam Aadhar Apartments, ShastriPuram, 100 Feet Road, Agra, Mob.: 9557254263 (WhatsApp), 9634294065 *(Jan.)*

★ **Mohil Jain** S/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 14.04.1999 (at 3:46 am, Sarangpur, Dist. Rajgarh), Height- 5'-9", Fair Complexion, Education- B.Tech. (Electrical), Job- IT Engineer in Accenture Company, Indore, Package- 8.40 LPA, Contact : V-397, Vandana Colony, Guna (M.P.)-473001, Mob.: 9826248763, 8319729307 *(Jan.)*

★ **Prateek Jain** S/o Sh. Girish Jain, DoB 15.12.1995 (at Gangapurcity), Fair Complexion, Height- 5'-8", Education- B.Tech (Mech.), Job- Senior Sales Consultant at Celebal Technologies, Jaipur, Package- 29 LPA, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Nagesuriya, Contact : 6/338, SFS Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9314621214, 7597483527, Email : girishrekha1994@gmail.com *(Jan.)*

★ **Arpit Jain** S/o Sh. Anil Jain, DoB 30.03.1994, Height 5'-6'', Education- B.Tech (Civil), MBA (HR), Occupation- Rollout Manager in IT-Operation Company, Gotra : Self- Khair, Mama- Sarang, Contact : Anil Jain, Director (IT), Govt of India, Mob.: 9928018284, 9602099877, 8209777617 *(Feb.)*

★ **Parag Jain** S/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 21.10.1995 (at 10:54 pm, Alwar), Height 5'-10", Education- B.Tech (CS), Working as a Assistant Manager in SBI, Gotra : Self- Badwasia, Mama- Athwarsia, Contact : 27/169, Naruka Colony, Alwar, Mob.: 7014560816, Whatsapp. 9785564525, E-mail : satishjain912@gmail.com *(Feb.)*

★ **Garvit Jain** (Ankshik Manglik) S/o Late Sh. Pradeep Kumar Jain, DoB 09.09.1992 (at 7:00 pm, Alwar), Education- B.Tech, Job- Service, Bengaluru, Package 30 LPA, Gotra : Self- Ladoriya, Mama- Chodri, Contact : Basant Vihar, Scheme 3, Alwar, Mob.: 8849527429 *(Feb.)*

★ **CA Saurabh Jain** (Manglik) S/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 30.10.1993 (at 6:30 pm, Jaipur), Height 5'-6", Education- Chartered Accountant (2017) , B.Com, Job- Senior Manager, Credit Saison, Mumbai (Japanese MNC), Gotra : Self- Bhoradangiya, Mama- Bhetariya, Contact : 38, Flat No. G1, ISD Residency 2, Dr. Rajendra Prasad Nagar, Jaipur, Mob.: 9251565282, 8955322167 *(Feb.)*

★ **Sachin Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 15.01.1994 (at 8:45 pm, Kherli), Height 5'-8", Education- B.Tech. (Mechanical), Job- Banking Assistant Sirohi CC Bank, Gotra : Self-Bayaniya Mama- Baroliya, Contact : 54, Kalla Wala Vatika Road, Tonk Road, Jaipur, Mob.: 8949275858, 9414854516, 9414446323 *(Feb.)*

★ **Kapil Pawan Jain** S/o Sh. Pawan Kumar Nemichand Jain, DoB 06.03.1998 (at 9:00 am, Agra), Height- 5'-7", Education- B.Com., Pursuing US CMA, MBA, Occupation- Asst. Manager (Accounts & Finance) in Sarvagram Fincare Pvt. Ltd., Mumbai, Salary- 7.2 LPA, Gotra : Self- Kotia, Mama- Rajoriya, Contact : 905, Radha Raman Society, Opp. D-Mart, Near Maxus Mall, Bhayander West, Mumbai-401101, Mob.: 9969373009, 7021687465 *(Aug.)*

* * * * * * *

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री दिनेश चन्द जैन

(सुपुत्र स्व. श्री आनंद चन्द जैन)

(पुण्यतिथि : 20.02.2022)

हम आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए भगवान वीर से आपकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

भाई-भाभी :
शिखर चन्द जैन-राजरानी जैन
मुकेश चन्द जैन-मधु जैन
भूपेन्द्र जैन

भतीजा, भतीजी :
दीपक जैन, मेघा जैन
दीपिका जैन, आरती जैन

धर्मपत्नी : श्रीमती कविता जैन
पुत्र : हिमांशु जैन

बहन-बहनोई :
स्व. श्रीमती तिलोतमा जैन-स्व. श्री महेश चन्द जैन
अर्चना जैन-शीतल प्रसाद जैन
स्व. श्रीमती वन्दना जैन-विमल कुमार जैन

निवास : ई-11, राम नगर विस्तार, सोडाला, जयपुर
मो.: 7023923981

(CR D-3126)

भावभीनी श्रद्धांजलि

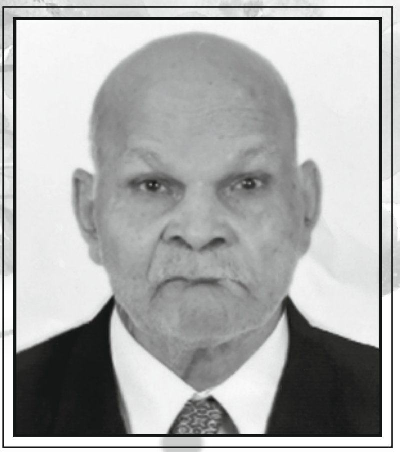

स्व. श्री मुंशी लाल जी जैन

(निवासी नंगला संजा मथुरा)

(स्वर्गवास : 27 दिसंबर 2023)

हम सभी परिवारजन आपको स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
नरेंद्र जैन, प्रमोद जैन, पवन जैन

पौत्र :
डॉ. प्रतीक जैन

प्रतिष्ठान

पवन स्टोर
ए-58, लक्ष्मी विहार, जैन रोड, द्वारिका मोड़, नई दिल्ली-110059

-: निवास :-
ई-225, गली नं. 18, साध नगर, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110045

(CR D-3127)

भावभीनी श्रद्धांजलि

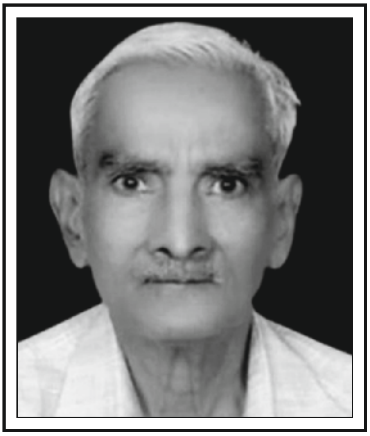

स्व. श्री जिनेश कुमार जी जैन (लाहौर वाले)

(टैक्स एडवोकेट)

(सुपुत्र स्व. श्री रोशन लाल जी जैन, लाहौर वाले)

(जन्म तिथि : 06 जुलाई 1938) (स्वर्गवास : 07 फरवरी 2024)

हम सभी परिवारजन आपको स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

कमला देवी जैन (धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
प्रदीप-आशा
प्रमोद *(एडवोकेट)*-सुनीता
विनीत-सुषमा

पौत्र-पौत्रवधु :
प्रांशु-नीतू

पौत्री-दामाद :
शिप्रा-सुशांत जी

पौत्र, पौत्री :
कार्तिकेय *(एडवोकेट)*, विनायक, मुस्कान, दिया

दोहते, दोहती : मणि, श्रुति

प्रपौत्री : हनिका, अमायरा

पढ़नवासा, पढ़नवासी : कृष्णा, रूहिका

पुत्री-दामाद :
सुनीता-अखिलेश जी
मलका-अनिल जी

दोहती-दामाद :
नूपुर-सिद्धार्थ जी
अदिति-ध्रुव जी

दोहता-वधु :
रजत-दिव्या

प्रतिष्ठान : • पद्मावती मिनरल्स, M.I.A., अलवर
• जिनेश एवं प्रमोद जैन, टैक्स एड्वोकेट, अलवर • अलाइड सर्विसेज (कोरियर), अलवर

निवास : प्लैट नं. 313, टॉवर नं. 3ए, अपना घर, शालीमार एक्सटेंशन, अलवर-301001
मोबाइल नं.: 8003492382, 9414018899, 9828184877

(CD R-3128)

श्री महावीराय नमः

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

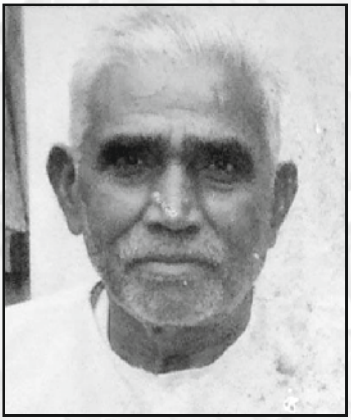

स्व. लाला वैनी प्रसाद जी जैन
(मलपुरा वाले)
(स्वर्गवास : 20 जुलाई 2017)

स्व. श्रीमती नारंगी देवी जी जैन
(स्वर्गवास : 28 अक्टूबर 2002)

हम सभी परिवारजन आपको स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
विनय कुमार जैन-स्व. श्रीमती विनोद कुमारी जैन,
दिनेश जैन-विमला जैन, राकेश जैन-सरोज जैन, अजति जैन-वीना जैन

निवास
प्रथम मंजिल सुपर मार्केट, एन.टी.सी. गेट, चर्च के पास, रावतभाटा
फोन-01475-235768, 9414185965, 9460742828, 8058092999

Firm :
Nutrition Hai Zaruri By Dietician KIRTI JAIN
A unique diet clinic
We change your diet and you will see changes in your life.....!!!

DIET PLAN *for* Obesity
DIET PLAN *for* Diabetes
DIET PLAN *for* High Cholesterol
DIET PLAN *for* PCOD & Thyroid
DIET PLAN *for* Blood Pressure

634-A, Prince Road, Opp. Brown Bites Restaurant, Vaishali Nagar, Jaipur • 9884315705

(CR D-3093)

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.
TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.
AN ISO 9001:2008 COMPANY
PRODUCTS
• POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS
• AUXILLARY TRANSFORMERS
• SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS
• PACKAGE SUBSTATION
• PRESSED STEEL RADIATORS
• CORRUGATED FINWALL
• TRANSFORMER TANKS
CONTACT
Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India
Phone No. : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in
Website : www.trafopower.com

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9690441107 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Shree Vimal Silica Traders
★ S.B. Jain Mineral Enterprises

Late Sh. Bimal Chand Jain
(Reta Wala)

ANKIT JAIN

AKHIL JAIN

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क :
Ankit Jain - 09837478564
Akhil Jain - 09690441107

RNI NO. RAJHIN/2012/47438

Postal Registration No. JAIPUR CITY/410/2022-24

RERA Registration No.
RAJ/P/2022/2193
www.rera.rajasthan.gov.in

www.pearlgroupindia.com

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl
ROYAL
2/3 BHK Exclusive Apartments

An exclusive place
that you can call home

D-231 B, Tulsi Marg, Bani Park, Jaipur (RAJ)

GYMNASIUM | MULTIPURPOSE HALL | INDOOR GAMES

Builder & Developers
Pearl India Buildhome (P) Ltd.
PEARL DEEWAN S-14, Mangal Marg,
5th floor Bapu nagar, Jaipur-302015
Ph.: +91 141 4014044
Website : www.pearlgroupindia.com
E-mail : pearlgroup.vijay@gmail.com

Member
TODAR | CREDAI RAJASTHAN

Dr. Raj Kumar Jain : 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain : 9829010092

3 Decades of Excellence | **3600** Villas + Plots | More than **800** Apartments | **35** 'Pearl' Tower | **6** Townships

Disclaimer:- The image shown in indicative only and the actual view may differ from the one shown here.

If Undelievered, please return to :
श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे,
जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी- अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।